सतना
13 मार्च 2026 शुक्रवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

आरएन रवि ने ली पश्चिम बंगाल के राज्यपाल पद की शपथ, सीएम ममता समेत कई वरिष्ठ नेता रहे मौजूद

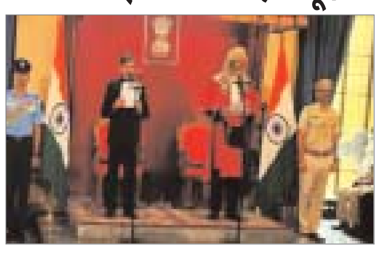

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के नए राज्यपाल आरएन रवि ने गुरुवार को कोलकाता स्थित लोकभवन में 22वें राज्यपाल के रुप मं पद और गोपनीयता की शपथ ली। उन्हें सॉजय पॉल ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी मौजूद रहे। लोकभवन में आयोजित समारोह तय समय के अनुसार सुबह करीब साढ़े 11 बजे शुरू हुआ। शपथ ग्रहण से पहले और बाद में वंदे मातरम् और राष्ट्रीय गान जन गण मन गाया गया। शपथ लेने के बाद नए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों से मुलाकात कर औपचारिक बातचीत भी की। समारोह में राज्य के मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, विधानसभा अध्यक्ष बिमल बनर्जी तथा वाम मोर्चा अध्यक्ष बिमान बोस समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल सीवी आनंद बोस के अचानक इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार ने आरएन रवि को राज्य का नया राज्यपाल नियुक्त किया है। इससे पहले वह तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में कार्यरत थे।

एयर चीफ मार्शल ने मल्टी-रोल लड़ाकू विमान से अकेले भरी उड़ान, वायु सेना का ताकत का प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भारत की वायु सेना का सीमावर्ती क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन करने के लिए देखने को मिला। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ़ मार्शल एपी सिंह ने आज मिग-29 यूपीजी मल्टी-रोल लड़ाकू विमान को अकेले उड़ाया। एपी सिंह ने एक प्रमुख सीमावर्ती बेस से उड़ान भरी। विमान के लैंड करने का वीडियो भी सामने आया है। अपनी यात्रा के बाद, एयर चीफ़ ने बेस पर भारतीय वायु सेना के पूर्व सैनिकों से भी बातचीत की। इस दौरे में भारतीय वायु सेना की ऑपरेशनल तैयारी, लड़ाकू क्षमताओं और फ़ॉरवर्ड बेस पर मिशन की तैयारी पर ज़ोर दिया गया। मिकोयान MiG-29 सोवियत यूनियन का बनाया हुआ एक द्वी-इंजन लड़ाकू विमान है। भारतीय वायु सेना चार दशकों से इस्तमाल हो रहे अपने MiG-29 फ़्लीट को अपग्रेड करने का फ़ैसला किया था। सोवियत में बना यह विमान 1970 के दशक में बनाया गया था और 1980 के दशक में वायु सेना में शामिल किया गया था। इसे असल में अमेरिकन स्न-16 लड़ाकू विमान का मुकाबला करने के लिए बनाया गया था। MiG-29 के कई वेरिएंट हैं, जिनमें से कुछ का इस्तेमाल भारतीय नौसेना भी करती है। मिकोयान MiG-29 (अपग्रेड) चौथी जेनरेशन का सर्वश्रेष्ठता लड़ाकू विमान है। इस विमान को नई एवियोनिक्स, रडार और हवा ही हवा में रिफ्यूलिंग क्षमता के साथ अपग्रेड किया गया है।

आधार अनिवार्य तत्काल टिकट पर जवाब न देने पर हाईकोर्ट सख्त, रेलवे बोर्ड को देरी के लिए लगाई फटकार

कोच्चि,एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को रेलवे बोर्ड को सख्त फटकार लगाई क्योंकि बोर्ड ने कई महीने बीत जाने के बावजूद तत्काल टिकट बुकिंग में आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य है या नहीं इस पर जवाब नहीं दिया। कोर्ट की बेंच के मुख्य न्यायाधीश सौमेन सेन और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वी एम ने बोर्ड के अधिवक्ता द्वारा तीन सप्ताह और समय मांगने पर नाराजगी व्यक्त की। कोर्ट ने कहा इतना सरल मुद्दा

होने के बावजूद आप इतना समय ले रहे हैं। कई महीने समय देने के बावजूद अभी तक कोई जवाब नहीं आया। यदि आप जवाब नहीं दे सकते, तो हम खुद इस मुद्दे का निर्णय कर सकते हैं। कोर्ट ने मामले को तीन सप्ताह के लिए स्थगित किया और स्पष्ट किया कि रेलवे बोर्ड को इस अवधि में अपना जवाब जमा करना अनिवार्य है। यह आदेश एक सार्वजनिक हित याचिका (पीआईएल) पर आया है, जिसमें केंद्र सरकार के उस सर्कुलर को चुनौती दी गई थी, जिसमें तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार आधारित प्रमाणीकरण अनिवार्य करने का प्रावधान किया गया था।

000000

'पड़ोसी देशों की रक्षा करेगा भारत', रक्षा राज्य मंत्री ने कहा-आतंकवाद बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को कहा कि भारत अपने पड़ोसी देशों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और आतंकवाद के प्रति अपनी शून्य-सहनशीलता (जीरो टॉलरेंस) की नीति पर दृढ़ता से कायम है। उन्होंने 'भारत के पड़ोस में बदलती गतिशीलता' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य भाषण के दौरान कही। यह सेमिनार मुख्यालय इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ द्वारा अपनी 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के तहत आयोजित किया गया था। **ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का किया जिक्र** :अपने संबोधन में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने पिछले वर्ष हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' का विशेष जिक्र किया। रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार, पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाया गया यह एक महत्वपूर्ण सैन्य अभियान था, जिसने आतंकवाद के खिलाफ देश के दृढ़ संकल्प को दर्शाया। उन्होंने कहा कि 1947 के बाद हुए सभी युद्धों से अलग, ऑपरेशन सिंदूर को विभिन्न स्वदेशी प्लेटफॉर्मों के जरिए अंजाम दिया गया, जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की सफलता का मजबूत प्रमाण है।

आदि कैलाश यात्रा 1 मई से शुरू करने की तैयारी, अप्रैल के आखिरी हफ्ते से मिलेंगे परमिट

पिछले साल 30 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे

पिथौरागढ़, एजेंसी। उत्तराखंड में आदि कैलाश यात्रा 1 मई से शुरू करने की तैयारी है। मौसम अनुकूल रहा तो प्रशासन अप्रैल के आखिरी सप्ताह से इनर लाइन परमिट जारी कर सकता है। पिछले साल यहां 30 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे, ऐसे में इस बार और बड़ी संख्या में यात्रियों के आने की उम्मीद है।

आदि कैलाश पिथौरागढ़ जिले के धारचूला क्षेत्र की व्यास घाटी में स्थित है। नवंबर से मार्च तक यहां भारी बर्फबारी के कारण आवागमन बंद रहता है। सुरक्षा कारणों के चलते व्यास घाटी में छियालेख से आगे जाने के लिए इनर लाइन परमिट अनिवार्य होता है, जिसे तहसील प्रशासन जारी करता है। पिथौरागढ़ के डीएम आशीष भटगांई ने बताया, यात्रा को लेकर

तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जल्द ही आधिकारिक सूचना जारी की जाएगी।

परमिट के लिए ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों सुविधा : आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा के लिए इनर लाइन परमिट धारचूला स्थित एसडीएम कार्यालय से ऑफलाइन लिया जा सकता है। आवेदन के लिए आधार कार्ड, मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और पासपोर्ट साइज फोटो जरूरी होते हैं। यात्रा के लिए ऑनलाइन आवेदन की भी सुविधा है।

केवल इनकम के आधार पर ओबीसी क्रीमी लेयर का दर्जा नहीं, यूपीएससी में नियुक्तियों पर अदालत से राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के क्रीमी लेयर से जुड़े मुकदमे में अहम टिप्पणी की। दो जजों की खंडपीठ ने आज अपने फैसले में कहा कि आरक्षण के इस मामले में अभ्यर्थी के क्रीमी लेयर का निर्धारण केवल माता-पिता या अभिभावकों की सैलरी के आधार पर नहीं किया जा सका। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने अपने फैसले में सरकार की अपील को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि क्रीमी लेयर दर्जा का निर्धारण करते समय माता-पिता या अभिभावकों के पदों और स्थिति को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

बेंच ने केंद्र सरकार की उन अपीलों को खारिज कर दिया, जो हाई कोर्ट के फैसलों के खिलाफ थीं। कोर्ट ने उन यूपीएससी उम्मीदवारों को बड़ी राहत दी है, जिन्हें सिविल सेवा परीक्षा पास करने के बावजूद नौकरी नहीं दी गई थी। सरकार ने उनके माता-पिता की सैलरी को आधार मानकर उन्हें गलत तरीके से क्रीमी लेयर की श्रेणी

में डाल दिया था। अदालत ने साफ किया कि अधिकारियों ने उम्मीदवारों को आरक्षण से बाहर करने के लिए गलत पैमाना अपनाया। जस्टिस महादेवन ने फैसले में लिखा कि कोई उम्मीदवार क्रीमी लेयर में आता है या नहीं, इसका फैसला केवल आय के आधार पर नहीं हो सकता।

यह पूरा विवाद उन उम्मीदवारों से जुड़ा था जिनके माता-पिता सार्वजनिक उपक्रमों (पीएसयू), बैंकों या इसी तरह के संस्थानों में काम करते थे। सरकार ने 2004 के एक स्पष्टीकरण पत्र का सहारा लेकर उनकी सैलरी को आय में जोड़ दिया था। इस वजह से वे आरक्षण के लाभ से वंचित हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 1993 के सरकारी आदेश का हवाला दिया। यह आदेश इंदिरा साहनी मामले के बाद बना था। इसमें स्पष्ट है कि क्रीमी लेयर तय करने के लिए माता-पिता का पद (जैसे ग्रुप ए या ग्रुप बी अधिकारी) मुख्य आधार है। इस नियम के तहत सैलरी और खेती से होने वाली कमाई को आय/संपत्ति टेस्ट में शामिल नहीं किया जाता।

कोर्ट ने कहा कि 2004 का एक पत्र मुख्य नीति को नहीं बदल सकता। अदालत ने यह भी पाया कि सरकारी कर्मचारियों और पीएसयू कर्मचारियों के बीच भेदभाव करना गलत है। अगर सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को पद के आधार पर छूट मिलती है, तो पीएसयू कर्मचारियों के बच्चों को केवल सैलरी के आधार पर आरक्षण से बाहर करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को आदेश दिया है कि वह 6 महीने के भीतर इन उम्मीदवारों के दावों पर फिर से विचार करे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर जरूरी हो तो इन उम्मीदवारों को नौकरी देने के लिए अलग से पद बनाए जाएं।

राहुल गांधी को राहत : नासिक कोर्ट ने वीर सावरकर टिप्पणी का मानहानि मामला बंद किया

शिकायतकर्ता ने वापस लिया केस

मुंबई , एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ सावरकर पर 2022 में की गई टिप्पणी को लेकर दर्ज मानहानि मामले को नासिक की एक आपराधिक अदालत ने बंद कर दिया है। यह टिप्पणी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हुई थी। मामला देवेंद्र भूटाडा, नासिक स्थित निर्भया फाउंडेशन के अध्यक्ष, ने दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि गांधी ने 15 और 16 जून 2022 को हिंगोली और अकोले में रैलियों में की गई टिप्पणियां माननि और अपमानजनक थे। शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 499 (मानहानि) और धारा 504 (जानबूझकर अपमान) के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इसके बाद नासिक कोर्ट ने सितंबर 2024 में गांधी को समन जारी किया। राहुल गांधी को बाद में जमानत मिल गई और उन्हें वर्चुअल माध्यम से सुनवाई में शामिल होने की अनुमति दी गई, जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया। अदालत ने सितंबर 2024 में सीआरपीसी की धारा 202 के तहत जांच भी आदेशित की थी। पुलिस की रिपोर्ट जमा होने के बाद, शिकायतकर्ता ने केस वापस लेने की मांग की। इसके बाद, ट्रायल जज ने मामले की सुनवाई समाप्त कर दी और मानहानि प्रक्रिया को बंद कर दिया। इस फैसले के साथ ही राहुल गांधी पर इस मामले में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला पर फायरिंग, सुरक्षाकर्मी की वजह से बचे

फारूक बोलेः ऊपर वाले ने बचाया

श्रीनगर, एजेंसी। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर बुधवार रात एक व्यक्ति ने फायरिंग कर दी। हमलावर ने सिर पर कुछ इंच दूर से गोली चलाई थी। गनीमत रही कि सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर का हाथ ऊपर कर दिया और उन्हें गोली नहीं लगी।

अधिकारियों के मुताबिक फारूक जम्मू में एक शादी समारोह में पहुंचे थे। उनके साथ राज्य के डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी भी थे। फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा-

मुझे ऊपर वाले ने बचाया है। शादी से निकलते समय मैंने कुछ आवाज सुनी, मुझे लगा कि यह पटाखा है। बाद में मुझे बताया गया कि एक आदमी ने पिस्तौल से दो गोलियां चलाई। सुरक्षाकर्मियों ने बीच-बचाव किया, जिससे हथियार ऊपर की ओर हो गया और नुकसान होने से बच गया। वहीं, हमलावर कमल ने पुलिस को बताया कि वह पिछले 20 सालों से फारूक अब्दुल्ला को मारना चाहता था। हमलावर को कोर्ट ने 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू में फायरिंग की घटना के बाद फारूक अब्दुल्ला से फोन पर बात की और उनका हालचाल पूछा।

हमलावर बोला- किसी के कहने पर गोली नहीं चलाई

फारूक अब्दुल्ला की हत्या की कोशिश करने वाले आरोपी कमल सिंह जामवाल को जम्मू पुलिस मेडिकल जांच के लिए ले गई। पुलिस के साथ ले जाते समय जामवाल ने कहा- मैंने किसी के कहने पर गोली नहीं चलाई। मैंने अपनी मर्जी से गोली चलाई है।

सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुई घटना : घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि 70 साल के हमलावर कमल सिंह जामवाल ने पीछे से आकर फारूक के सिर पर रिवॉल्वर तान दी। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत हमलावर का हाथ हटाया जिससे फायर हवा में हो गया।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 150 मिसाइलें दागीं, 24 घंटे में 179 लोग घायल

रिपोर्ट- अमेरिका पर भी ईरानी हमले का खतरा

तेल अवीव/ तेहरान,एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 13वां दिन है। इजराइल को ईरान के साथ-साथ पड़ोसी देश लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह की चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक बुधवार को ईरान समर्थक हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 150 मिसाइलें दागीं।

इजराइल के एयर डिफेंस सिस्टम ने ज्यादातर रॉकेट और मिसाइलों रोक दिया, लेकिन कुछ जगहों पर मलबा गिरने से आग लग गई। इसी बीच इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अलग-अलग हमलों में देश भर में पिछले 24 घंटे में 179 लोग घायल हुए हैं। जबकि जंग शुरू होने के बाद से अब तक कुल 2,745 लोग घायल हो चुके हैं।

उधर अमेरिकी जांच एजेंसी FBI ने कैलिफोर्निया के पुलिस

विभाग को चेतावनी दी है कि ईरान, अमेरिका के पश्चिमी तट पर जवाबी हमला कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी गई।

रूस ने अमेरिका-इजराइल से ईरान पर हमले रोकने की अपील की :रूस ने अमेरिका और इजराइल से ईरान पर जारी हमले रोकने और बातचीत के रास्ते पर लौटने की अपील की है। रूस का कहना है कि क्षेत्र में बढ़ता संघर्ष गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने कहा कि मॉस्को दोनों देशों से हमले रोकने और कूटनीतिक बातचीत फिर से शुरू करने का आग्रह कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में मानवीय स्थिति बेहद कठिन होती जा रही है और लगातार बढ़ता तनाव चिंताजनक है।

संसद में बोली सरकार

देश में अभी पर्याप्त पेट्रोल-डीजल और गैस, लंबे समय तक हालात से निपटने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एलपीजी संकट पर लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत 40 देशों से क्रूड ऑयल ले रहा है। गैस-सिलेंडर पर पैनिक होने की कोई बात नहीं है। हरदीप सिंह पुरी ने लोकसभा में वेस्ट एशिया संकट पर कहा कि एनर्जी के इतिहास में दुनिया ने ऐसा पहले कभी नहीं देखा। होर्मुज स्ट्रेट को इतिहास में पहली बार कमर्शियल शिपिंग के लिए बंद कर दिया गया। संघर्ष पैदा करने में कोई भूमिका नहीं है, भारत को इसके नतीजों से निपटना होगा। भारत की क्रूड ऑयल सप्लाई की स्थिति सुरक्षित है।

LPG का प्रोडक्शन 28% बढ़ा दिया गया- हरदीप सिंह पुरी :हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि पिछले पांच दिनों में, रिफाइनरी के निर्देशों के जरिए LPG का प्रोडक्शन 28% बढ़ा दिया गया है और असल में आगे की खरीद चल

रही है। मोदी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता यह है कि भारत के 33 करोड़ परिवारों, खासकर गरीबों और जरूरतमंदों की रसोई में किसी भी तरह की कमी न हो। घरेलू सप्लाई पूरी तरह से सुरक्षित है और डिलीवरी साइकिल में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

विपक्ष का एलपीजी सिलेंडर को लेकर प्रदर्शन

राहुल गांधी ने सरकार से LPG की कमी से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता किया, इसलिए बड़ी समस्या आने वाली है। इससे पहले लोकसभा में स्पीकर ओम बिरला 10 फरवरी के बाद अध्यक्ष की चेयर पर बैठे। विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव बुधवार को खारिज हो गया। राहुल गांधी ने कहा- प्रधानमंत्री कहते हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन वह खुद घबराए हुए लग रहे हैं, बिल्कुल अलग वजहों से। वे एप्स्टीन अदाणी केस की वजह से पैनिक हैं। आपने कल देखा कि सदन के अंदर प्रधानमंत्री की कुर्सी खाली थी। वह देश से कह रहे हैं कि घबराएं नहीं, जबकि वह खुद परेशान लग रहे हैं।

पीएम मोदी ने कैबिनेट के साथ की बैठक : अफवाह फैलाने वाले लोगों पर नजर रखने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल-अमेरिका के टकराव से उपजे तनावपूर्ण हालात पर भारत सरकार लगातार नजर रख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी सिलसिले में आज कैबिनेट की बैठक की। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि पीएम मोदी ने कैबिनेट मंत्रियों को अफवाहों पर कड़ी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया है। सूत्रों के हवाले से आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पीएम मोदी ने संकट से निपटने के लिए भारत की तैयारियों को बहुत मजबूत बताया। उन्होंने कहा, 'मंत्री जनता को समझाने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी बातों को प्रमुखता से रखें। विपक्ष के सवालों का भी ठोस तरीके से जवाब दें।' खबरों में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्रियों से कहा, पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पूरे विश्व को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि जनता और विपक्ष के सवालों का जवाब देते समय आत्मविश्वास बनाए रखें।

देश में एलपीजी की किल्लत, इंडक्शन की मांग बढ़ी : अमेजन में प्रोडक्ट की 30 गुना तक बिक्री, कई ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर आउट ऑफ स्टॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एलपीजी की उपलब्धता की बढ़ती चिंता के बीच की ऑनलाइन शॉपिग प्लेटफॉर्म पर इंडक्शन की मांग अचानक बढ़ गई है। कई ई-कॉमर्स साइट्स पर ये प्रोडक्ट आउट ऑफ स्टॉक हो गया है। अमेजन, फ्लिपकार्ट और ब्लिंकिट जैसे प्लेटफॉर्म पर इंडक्शन के स्टॉक में खासी कमी देखने को मिल रही है। ब्लिंकिट पर तो लगभग सभी मॉडल आउट ऑफ स्टॉक दिख रहे हैं, जबकि अमेजन और फ्लिपकार्ट पर भी कुछ ही ब्रांड मिल रहे हैं। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और गैस सप्लाई पर असर के कारण कई शहरों में लोग एलपीजी सिलेंडर न मिलने से परेशान हैं। इसी वजह से बैकअप के तौर पर इंडक्शन कुकटॉप खरीद रहे हैं।

अमेजन पर इंडक्शन आउट ऑफ स्टाक : फ्लिपकार्ट पर इंडक्शन के कुछ ही मॉडल मिल रहे, कई आउट ऑफ स्टॉक ,ब्लिंकिट पर इंडक्शन का एक ही मॉडल दिखा रहा, वह भी आउट ऑफ स्टॉक।

इंडक्शन की मांग बढ़ने के कारण कीमत बढ़ी :भारत में आमतौर पर इंडक्शन की कीमत 1300 से 2000 से शुरू होती हैं। वहीं, मिड रेंज जाने पर यह 2,000 - 3,500 में मिलता हैं। प्रीमियम मॉडल 3,500 - 4,500+ का होता है। इंडक्शन कुकटॉप की मांग बढ़ने के बाद कई ब्रांड के मॉडल की कीमतों में करीब 10-20% तक बढ़ोतरी देखी जा रही है। वही दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई और कोलकाता जैसे शहरों में इंडक्शन की बिक्री तेजी से बढ़ी है।

भुवनेश्वर के तारिणी मार्केट में लगी भीषण आग, 15 से अधिक दुकानें जलकर खाक ; लाखों का नुकसान

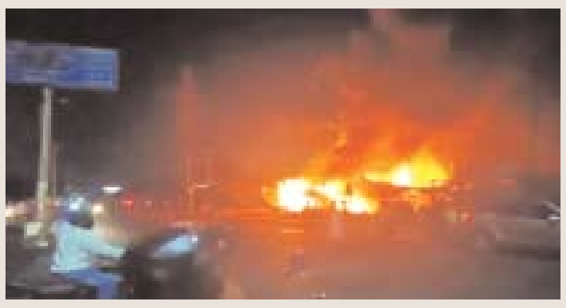

भुवनेश्वर, एजेंसी। राजधानी भुवनेश्वर के भरतपुर इलाके में स्थित कलिंग स्टूडियो चौक के पास तारिणी मार्केट में बुधवार देर रात भीषण आग लग गई, जिससे कई दुकानों को भारी नुकसान हुआ और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग रात करीब 12 से 12:30 बजे के बीच लगी और देखते ही देखते पूरे मार्केट क्षेत्र में फैल गई। इस आगजनी में 15 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं, जिससे लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक कई दुकानें पूरी तरह जल चुकी थीं। आग से प्रभावित दुकानों में एक फर्नीचर की दुकान पूरी तरह नष्ट हो गई। दुकान मालिक के अनुसार, करीब 3 लाख रुपये का तैयार फर्नीचर, जिसे डिलीवरी के लिए रखा गया था, आग में जलकर राख हो गया। बताया गया कि दुकान मालिक ने आग लगने के दौरान नकदी निकालने की कोशिश की, जिसमें उसे हल्की जलने की चोट भी आई। इस बीच एक स्थानीय निवासी ने घटना को संदिग्ध बताते हुए आशंका जताई कि आग लगना पूर्व नियोजित हो सकता है। उनका दावा है कि भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) की ओर से इलाके में फुटपाथ निर्माण को लेकर पहले दुकानदारों को कई बार चेतावनी दी गई थी।

हिमाचल चुनाव आयोग का निर्देश : 31 मार्च तक लागू करें आरक्षण रोस्टर, नई पंचायतों की दें रिपोर्ट

शिमला, एजेंसी। राज्य निर्वाचन आयुक्त अनिल खाची ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 31 मार्च तक आरक्षण रोस्टर लागू करने की प्रक्रिया को पूरा किया जाए। मंगलवार को निर्वाचन आयुक्त ने शहरी विकास, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने नई पंचायतों के गठन के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। खाची ने कहा कि नई पंचायतों के गठन की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा किया जाए।

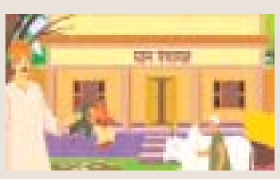

उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित सरकारी विभाग न्यायालय के आदेशों के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य सुनिश्चित करें, जिससे आगामी चुनाव प्रक्रिया बिना किसी बाधा के संपन्न हो सके। बैठक में 21 नए नगर निकायों के चुनावों पर भी चर्चा हुई, हालांकि इस पर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अधिकारियों ने आवश्यक प्रक्रिया और तैयारियों की जानकारी राज्य चुनाव आयुक्त को दी।

नोएडा सुपरटेक गोल्फ कंट्री : सालों बाद घर मिलने की उम्मीद जगी, खरीदारों को राहत

रबूपुरा, एजेंसी। इलाके की सुपरटेक गोल्फ कंट्री सोसायटी में घर खरीदने वालों को सालों बाद आखिरकार अपने घर मिलने की उम्मीद जगी है। होम बायर्स एसोसिएशन के सेक्रेटरी राजीव गौतम ने बताया कि 2013 में बिल्डर को पूरा पैसा देने के बावजूद, ज्यादातर खरीदारों को अभी तक अपने घर नहीं मिले हैं। खरीदार सालों से पज़ेशन की मांग कर रहे हैं। प्रोजेक्ट में बिजली, पानी और सड़क जैसी बेसिक सुविधाएं भी नहीं हैं। खरीदारों की चिंताओं को देखते हुए मामला ह्रष्टरुञ्ज को भेजा गया। समाधान के तहत, ष्टश्वष्ट में खरीदारों और बैंकर्स के बीच बृजगोपाल बिल्डर्स और इंडस वैली में से किसी एक को चुनने के लिए वोटिंग हुई। 4 से 8 मार्च के बीच हुई वोटिंग में बैंकर्स शामिल नहीं हुए। अब किन खरीदारों को उनके घर मिलेंगे, यह बैंकर्स की वोटिंग पर निर्भर करता है। सेक्रेटरी ने उम्मीद जताई कि बैंकर्स घर खरीदारों के हितों को ध्यान में रखते हुए बिल्डर चुनेंगे। अगर ऐसा होता है, तो खरीदारों को अपना घर मिलने का रास्ता खुल जाएगा और NCLT से मंजूरी मिलने के तीन साल के अंदर सभी खरीदारों को अपना घर मिल सकता है।

वाराणसी होकर हर रविवार को बड़ोदरा तक जाएगी स्पेशल ट्रेन, होली के बाद बढ़ती भीड़ के चलते की गई व्यवस्था

वाराणसी, एजेंसी। होली के बाद काम पर लौटने वालों की भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। इसमें मऊ से बड़ोदरा के लिए चलने वाली विशेष ट्रेन हर रविवार को वाराणसी रेलवे स्टेशन होकर गुजरेगी। यह ट्रेन बड़ोदरा से 14, 21 और 28 मार्च को तथा मऊ से 15, 22 और 29 मार्च को चलाई जाएगी। होली विशेष ट्रेन का ठहराव आगरा फोर्ट के स्थान पर ईदगाह (आगरा) में होगा। ट्रेन नंबर 09195 वडोदरा-मऊ साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 14, 21 और 28 मार्च को हर शनिवार बड़ोदरा से शाम 7 बजे चलकर गोधरा, रतलाम पहुंचेगी। यहां से दूसरे दिन सुबह 2:45 बजे कोटा, बयाना, ईदगाह (आगरा), कानपुर सेंट्रल से 11:42 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) में 1:20 बजे होते हुए वाराणसी रेलवे स्टेशन पर शाम 7:05 बजे आएगी। यहां से छूटकर मऊ रेलवे स्टेशन पर रात 8:45 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 09196 मऊ-वडोदरा साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 15, 22 और 29 मार्च को मऊ से रात 11:15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन वाराणसी जंक्शन रात 1:10 बजे आएगी। यहां से विभिन्न स्टेशनों को होते हुए तीसरे दिन वडोदरा रात 12:45 बजे पहुंचेगी। औड़िहारङ्कसारनाथ ट्रेन का संचालन 12 मार्च से 15 मई तक यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन नंबर 05163/05164 औड़िहारङ्कसारनाथङ्कऔड़िहार डेमू विशेष ट्रेन का संचालन 12 मार्च से 15 मई तक किया गया है। ट्रेन नंबर 05163 औड़िहारङ्कसारनाथ डेमू विशेष ट्रेन औड़िहार से दोपहर 12:35 बजे चलकर सिधौंना रामपुर हाल्ट से 12:43 बजे, रजवाड़ी से 12:53 बजे, कादीपुर से दोपहर 1:04 बजे छूटकर सारनाथ 1:20 बजे पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन सारनाथ से 1:50 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों से होते हुए औड़िहार स्टेशन पर दोपहर 2:35 बजे पहुंचेगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की टैरिफ दरें इस माह होंगी तय, अप्रैल से यात्री और कार्गो सेवाएं होंगी शुरू

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण टैरिफ दरों को लेकर सभी हित धारकों से सुझाव लेगा। इसके लिए 23 मार्च को बैठक बुलाई गई है। प्राधिकरण ने अगस्त 2025 में अनंतिम टैरिफ दरों का निर्धारण किया था। टैरिफ दरें एक अप्रैल 2026 से पांच साल के लिए लागू होंगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को नागर विमानन महानिदेशालय ने एयरो ड्रम लाइसेंस जारी कर दिया है।

इस माह के अंत में एयरपोर्ट का उद्घाटन संभावित है। अप्रैल से नोएडा एयरपोर्ट से यात्री और कार्गो सेवाओं की शुरुआत होगी। भारतीय विमान पत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण ने पिछले साल अगस्त में एयरपोर्ट के लिए अनंतिम टैरिफ दरों का निर्धारण किया था। एयरपोर्ट के जल्द शुरू होने को देखते हुए प्राधिकरण दरों को अंतिम रूप से तय करने में जुट गया है। इसके लिए 23 मार्च को दिल्ली में सभी हित धारकों के सुझाव लेने के लिए बैठक बुलाई गई है।

एयरपोर्ट संचालक कंपनी की ओर से विमान सेवा संचालन खर्च के अनुमानित आंकड़े रखे गए थे। इसके तहत 2026 में 482.60 करोड़, 2027 में 537.70 करोड़, 2028 में 577.40 करोड़, 2029 में 605.80 करोड़ व 2030 में 651.90 करोड़ रुपये का अनुमानित खर्च बताया था। हवाई सेवाओं के अतिरिक्त अन्य मद में पांच साल के दौरान 1645.29 करोड़ खर्च का अनुमान रखा था। इसके आधार पर प्राधिकरण ने एयरपोर्ट के लिए टैरिफ दरों का अनंतिम रूप से निर्धारण किया था।

घरेलू विमान की लैंडिंग के लिए सौ मिट्रिक टन क्षमता तक 875 रुपये प्रति मिट्रिक टन व इससे अधिक पर 87500 व 1155 रुपये प्रति मिट्रिक टन शुल्क तय किया था। अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा के लिए सौ मिट्रिक टन तक एक हजार रुपये प्रति मिट्रिक टन व इससे अधिक क्षमता पर एक लाख रुपए और प्रति मिट्रिक टन 1300 रुपए शुल्क तय किया था। पार्किंग शुल्क के तहत निःशुल्क अवधि के बाद पहले दो घंटे के लिए सौ मिट्रिक टन तक 25 रुपये प्रति व सौ मिट्रिक टन से अधिक होने पर 2500 रुपये व 30 रुपये प्रति मि.टन शुल्क एवं चार घंटे के बाद सौ मि.टन तक 50 रुपए प्रति घंटा प्रति मि.टन व सौ मि.टन से अधिक क्षमता पर 5000 रुपये और 60 रुपये प्रति घंटा प्रति मि.टन का तय किया था। यूजन डेवलपमेंट शुल्क प्रति यात्री प्रस्थान करने पर घरेलू के लिए 690 रुपये व अंतरराष्ट्रीय के लिए 1380 रुपये, आगमन पर घरेलू यात्री के लिए 300 रुपये व अंतरराष्ट्रीय के लिए 595 रुपये प्रति यात्री तय किया गया। प्राधिकरण हित धारकों के सुझाव के बाद इन दरों को अंतिम रूप से तय करेगा, जो नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए लागू की जाएंगी।

गाजियाबाद में खुलेगा प्रदेश का पहला एआई अल्ट्रासाउंड केंद्र, गर्भवती महिलाओं को मिलेगा लाभ

गाजियाबाद, एजेंसी। प्रदेश का पहला एआई आधारित अल्ट्रासाउंड केंद्र गाजियाबाद में खुलेगा। अत्याधुनिक मेडिकल संसाधनों से युक्त यह सेंटर जिला महिला अस्पताल में चालू होगा। इस केंद्र के माध्यम से प्रसव को आने वाली गर्भवती महिलाओं में प्रसव के दौरान संबंधित जटिलताओं की पहचान तथा उपयुक्त चिकित्सकीय निर्णय (सामान्य प्रसव, सिजेरियन,रेफर) लेने के लिए निःशुल्क एआई (आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस) आधारित हब एंड स्पोक केंद्र के रूप में रेडियोलॉजी सेवाएं उपलब्ध कराई जायेंगी। खासकर गर्भ में पल रहे बच्चे की सहीं स्थिति का पता लगाने को अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जायेगा। जिला स्वास्थ्य समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इस केंद्र को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर चालू किया जायेगा। सफल होने पर पूरे प्रदेश में केंद्र खोलने की योजना है। इस केंद्र को खोलने का उद्देश्य मातृ मृत्यु दर और शिशु मृत्यु दर कम करना है।

रेडियोलॉजिस्ट एवं जिला महिला अस्पताल के कार्यवाहक सीएमएस डॉ. अभिषेक त्रिपाठी का कहना है कि सीएमओ और सीडीओ की पहल पर खुलने जा रहे एआई आधारित यह सेंटर का गर्भवती महिलाओं की सेहत के लिये लाभकारी होगा।

वर्तमान में रोज 60 से 70 गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड किया जाता है। जिले के 85 प्राइवेट अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर ई-रूपी योजना के तहत गर्भवती का निश्शुल्क अल्ट्रासाउंड करने की योजना भी संचालित की जा रही है।

जिला महिला अस्पताल में एआई आधारित अल्ट्रासाउंड केंद्र खोलने की योजना है। जिला स्वास्थ्य समिति ने इस योजना को हरी झंड़ी दे दी है। अगले 15 दिन में इस केंद्र को स्थापित करने के क्रम में आवश्यक मेडिकल उपकरण लगाने को संबंधित को निर्देशित कर दिया गया है।

चालू होने के बाद इस पायल प्रोजेक्ट को तीन महीने तक चिकित्सकों की निगरानी में संचालित किया जायेगा। समीक्षा करने पर इसके परिणाम बेहतर आने पर शासन को इसकी रिपोर्ट इस उद्देश्य के साथ भेजी जायेगी कि ऐसे केंद्र अन्य जिलों में भी खोले जा सकते हैं। ऐसे केंद्रों के खुलने से मातृ मृत्यु और शिशु मृत्यु दर को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

'विपक्ष के नेताओं को डराने-धमकाने की कोशिश' : वड़िंग ने खैहरा के साथ दिखाई एकजुटता

सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि आम आदमी पार्टी साजिश के तहत भूलत्थ से विधायक और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सुखपाल सिंह खैहरा को धमकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि यह सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर के डर और हताशा को दर्शाता है, जो अपनी लगातार नाकामियों के कारण अब विपक्ष के नेताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रही है।

वड़िंग ने कहा कि आम आदमी पार्टी को यह एहसास हो गया है कि पंजाब के लोग अब उसके झूठों को गंभीरता से नहीं लेते हैं। इसी कारण वह अब विपक्षी नेताओं और उन पत्रकारों को भी डराने-धमकाने की कोशिश कर रही है, जो सरकार की नाकामियों को उजागर कर रहे हैं। उन्होंने खैहरा के साथ पूरी तरह से एकजुटता जताते हुए और सरकार की नाकामियों को उजागर करने के लिए उनके द्वारा चलाए जा रहे अभियान का समर्थन करते हुए, कहा कि हर कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता खैहरा के साथ खड़ा है और हमेशा खड़ा रहेगा।

पश्चिम एशिया संकट: यूएनएससी में उठी पड़ोसियों पर हमले रोकने की मांग

दुबई, एजेंसी। ईरान ने बुधवार को दुनिया के सबसे व्यस्त दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया। यह हमला उस समय हुआ जब अमेरिका और इस्राइल तेहरान पर हमले कर रहे थे। संयुक्त राष्ट्र की सबसे ताकतवर संस्था, सुरक्षा परिषद ने एक प्रस्ताव पास किया है। इसमें ईरान से अपने पड़ोसी देशों पर हमले तुरंत रोकने की मांग की गई है। इन हमलों से दुनिया भर में तेल की सप्लाई को बड़ा खतरा पैदा हो गया है। ईरान इन हमलों के जरिए अमेरिका और इस्राइल पर दबाव बनाना चाहता है ताकि 12 दिन पहले शुरू हुआ युद्ध खत्म हो सके। पेंटागन के अनुसार, युद्ध के पहले हफ्ते में ही अमेरिका को 11.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। सेना ने बताया कि युद्ध के पहले वीकेंड में अकेले हथियारों पर पांच अरब डॉलर खर्च हो गए। ईरान ने खाड़ी देशों के तेल क्षेत्रों और रिफाइनरियों को निशाना बनाया है। उसने होर्मुज की खाड़ी से होने वाले व्यापार को भी रोक दिया है, जहां से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है। इस संकट से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने अपने बड़ा फैसला लिया है। वह बाजार में 40 करोड़ बैरल तेल उतारेगी। अमेरिका भी अगले हफ्ते अपने सुरक्षित भंडार से 17.2 करोड़ बैरल तेल जारी करेगा।

संयुक्त राष्ट्र ने ईरान से हमले रोकने की मांग की: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया। इसमें ईरान से खाड़ी पड़ोसियों पर अत्यधिक हमलों को रोकने की मांग की गई है। हाल के हमलों में, संयुक्त अरब अमीरात में दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास दो ईरानी ड्रोन हमलों में चार लोग घायल हुए। हालांकि, उड़ानें जारी रहीं। दुबई मीडिया कार्यालय ने यह जानकारी दी। गुरुवार की सुबह दुबई क्रीक हार्बर में एक लक्जरी अपार्टमेंट टॉवर में आग लग गई। बहरीन के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि ईरानी-लिंक्ड हमलों ने मुहर्रक प्रांत में ईंधन टैंकों को निशाना बनाया। ओमान के सलालाह बंदरगाह पर भी ईंधन भंडारण टैंकों में आग लगी।

खाड़ी देशों और इराक में हमले : बहरीन के संयुक्त राष्ट्र राजदूत जमाल अलरोवाई ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इन ईरानी हमलों को दृढ़ता से खारिज करता है। ये हमले संप्रभु देशों के खिलाफ हैं।

चीन में नए कानून पर मंथन:

एक राष्ट्र-एक पहचान की तैयारी में ड्रैगन अल्पसंख्यकों की भाषा नीति पर दिखेगा असर

बीजिंग, एजेंसी। चीन सरकार एक व्यापक 'जातीय एकता' कानून लाने की तैयारी में है, जिसे लेकर आलोचकों ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि यह कानून अल्पसंख्यकों के अधिकारों को और कमजोर कर सकता है और उन्हें मुख्यधारा में जबरन समाहित करने की नीति को मजबूत करेगा। यह कानून देश की संसद द्वारा गुरुवार को मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके तहत सभी जातीय समूहों के बीच 'समुदाय की मजबूत भावना' को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय जन कांग्रेस के प्रतिनिधि लू किनजियान ने कहा कि यह कानून 'चीनी राष्ट्र' के भीतर सभी जातीय समूहों के बीच एकता को बढ़ावा देगा। प्रस्तावित कानून के अनुसार, सभी सरकारी निकायों और निजी उद्यमों को जातीय एकता को बढ़ावा देना होगा। इसमें स्थानीय सरकारें और अखिल-चीन महिला महासंघ जैसे राज्य-संबद्ध समूह भी शामिल हैं। कानून में कहा गया है कि देश के प्रत्येक जातीय समूह के लोग, सभी संगठन, सशस्त्र बल, हर पार्टी, सामाजिक संगठन और हर कंपनी को कानून और संविधान के अनुसार 'चीनी राष्ट्र' की एक साझा चेतना बनानी होगी और इस चेतना के निर्माण की जिम्मेदारी लेनी होगी। पहचान और भाषा पर प्रभाव अकादमिकों और पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह अल्पसंख्यकों की पहचान के लिए एक झटका है, क्योंकि यह अनिवार्य शिक्षा में मंदारिन चीनी के उपयोग को अनिवार्य बनाता है। चीन की अधिकांश आबादी हान चीनी है और आधिकारिक भाषा मंदारिन है। देश में 55 जातीय समूह हैं, जो कुल आबादी का 8.9 प्रतिशत हैं। संविधान के अनुसार, 'प्रत्येक जातीय समूह को अपनी भाषा का उपयोग करने और उसे विकसित करने का अधिकार है' और 'स्व-शासन का अधिकार है'। क्षेत्रीय जातीय स्वायत्तता कानून इन समूहों को सीमित स्वायत्तता का वादा करता है, जिसमें अर्थव्यवस्था विकसित करने के लिए लचीले उपाय शामिल हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि व्यवहार में नया कानून इन प्रावधानों पर हावी होगा। ऑस्ट्रेलिया के ला ट्रोब विश्वविद्यालय में चीन की जातीय अल्पसंख्यक नीतियों पर अध्ययन करने वाले प्रोफेसर जेम्स लिबोल्ड ने कहा कि यह कानून पार्टी के 'सार्थक स्वायत्तता' के मूल वादे को समाप्त कर देगा। उन्होंने इस उपाय को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की जातीय नीतियों में 'बड़े पुनर्मूल्यांकन' का एक प्रमुख हिस्सा बताया। नए कानून के अनुच्छेद 15 के अनुसार, तक मंदारिन चीनी को अनिवार्य रूप से पढ़ाया जाएगा।

'होर्मुज में ईरान की नौसेना पर अमेरिका का वार जारी', ट्रंप बोले- 58 जहाज और बारूदी नावों को किया नष्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी बीच मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान की नौसैनिक ताकत पर बड़ा हमला किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई में ईरान के कई जहाज और बारूदी सुरंग बिछाने वाली नावों को नष्ट कर दिया गया है। उनका कहना है कि यह कदम वैश्विक समुद्री व्यापार और तेल आपूर्ति की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत निर्णायक सैन्य कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत की जा रही है। ट्रंप के मुताबिक इस अभियान का उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना है। उनका दावा है कि अमेरिकी सेना ने कम समय में ही ईरान की कई सैन्य क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

होर्मुज में ईरान की नौसेना पर हमला क्यों हुआः ट्रंप के मुताबिक अमेरिकी सेना को जानकारी मिली थी कि ईरान समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने की तैयारी कर रहा है। इन सुरंगों का मकसद जहाजों को नुकसान पहुंचाना और समुद्री रास्तों को बाधित करना था। उन्होंने कहा कि इसी खतरे को देखते हुए अमेरिकी सेना ने कार्रवाई की। ट्रंप का दावा है कि अमेरिकी हमलों में ईरान के कई माइन बिछाने वाले जहाज और नौसैनिक पोत नष्ट कर दिए गए हैं।

कितने जहाज और नावें नष्ट करने का दावा किया गयाः ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज क्षेत्र में ईरान के कुल 58 नौसैनिक जहाजों को नष्ट कर दिया है। इसके अलावा बारूदी सुरंग बिछाने वाली कम से कम 31 नावों को भी खत्म किया गया है। उनके मुताबिक यह कार्रवाई बेहद तेजी से की गई। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने विशेष तकनीक और हथियारों का इस्तेमाल करते हुए इन जहाजों को निशाना बनाया।

क्या ईरान की सैन्य क्षमता कमजोर हुईः ट्रंप ने दावा किया कि पिछले 11 दिनों की सैन्य कार्रवाई में ईरान की सैन्य ताकत को बड़ा झटका लगा है। उनके मुताबिक ईरान की वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी है और उसके रडार सिस्टम भी नष्ट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान की मिसाइल क्षमता लगभग 90 प्रतिशत और ड्रोन क्षमता करीब 85 प्रतिशत तक कमजोर हो चुकी है। ट्रंप के अनुसार अमेरिकी सेना ईरान के हथियार बनाने वाले कारखानों को भी निशाना बना रही है।

तेल बाजार और ऊर्जा सुरक्षा पर क्या असर पड़ाः ट्रंप ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता आई है। इसे देखते हुए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने दुनिया के विभिन्न देशों के रणनीतिक भंडार से 400 मिलियन बैरल तेल जारी करने पर सहमति जताई है। ट्रंप के मुताबिक इससे तेल की कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर रखा जा सकेगा।

क्या अमेरिका युद्ध को आगे बढ़ाने के संकेत दे रहा हैः ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस संघर्ष को अधूरा नहीं छोड़ेगा। उनका कहना है कि अगर खतरे को पूरी तरह खत्म नहीं किया गया तो भविष्य में फिर से ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदम उठाती रहेगी और समुद्री मार्गों को सुरक्षित बनाए रखेगी।

क्षेत्रीय और वैश्विक असर कितना बड़ा हैः विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव से पूरे पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया है। इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजार, समुद्री व्यापार और अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर भी पड़ रहा है। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा को लेकर दुनिया भर के देशों की चिंता बढ़ गई है क्योंकि दुनिया के बड़े हिस्से का तेल इसी रास्ते से गुजरता है।

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित, गाइडलाइन दरों के पुनर्मूल्यांकन पर हुई विस्तृत चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिले की विभिन्न लोकेशनों की गाइडलाइन दरों के पुनर्मूल्यांकन संबंधी प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में विधायक सीधी श्रीमती रीती पाठक ने कहा कि यह विषय आम लोगों के हितों तथा शासन के राजस्व से सीधे जुड़ा हुआ है। इसलिए सभी संबंधित अधिकारी पूरी जिम्मेदारी, नैतिकता और पारदर्शिता के साथ कार्य करें, ताकि गाइडलाइन दरें वास्तविक बाजार मूल्य के अनुरूप निर्धारित की जा सकें। उन्होंने कहा कि गाइडलाइन दरों का निर्धारण करते समय स्थानीय परिस्थितियों, क्षेत्र के विकास कार्यों तथा आम नागरिकों की सुविधाओं का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। इससे एक ओर जहां आम नागरिकों को पारदर्शी व्यवस्था का लाभ मिलेगा, वहीं शासन के राजस्व में भी वृद्धि सुनिश्चित होगी।

जिला पंजीयक अभिषेक सिंह बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि गाइडलाइन दरों को वास्तविक बाजार मूल्य के अनुरूप करने, राजस्व वृद्धि की संभावनाओं को सुदृढ़ बनाने तथा विभिन्न विकास गतिविधियों के आधार पर दरों का पुनर्मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। उन्होंने बताया कि सीधी जिले में कुल 1448 लोकेशन चिन्हित हैं, जिनमें 289 लोकेशन नगरीय क्षेत्र तथा 1159 लोकेशन ग्रामीण क्षेत्र की हैं।

उन्होंने बताया कि समग्र स्थिति के अनुसार जिले में कुल 846 लोकेशन में संशोधन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। संशोधन के प्रमुख कारणों में कई स्थानों पर अधिक मूल्य पर पंजीयन होना, विगत वर्षों में दर वृद्धि न होना, विभिन्न विकास परियोजनाओं के कारण भूमि मूल्य में वृद्धि, अनुपयोगी 96 लोकेशन को मूल लोकेशन में मर्ज करना तथा वर्तमान गाइडलाइन में मौजूद लिपिकीय त्रुटियों का सुधार शामिल है। सम्पदा सॉफ्टवेयर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले की लगभग 700 लोकेशन में सामान्य बाजार मूल्य से अधिक मूल्य पर भूमि अंतरण हुए हैं। इन सभी लोकेशन में हुए दस्तावेजों में वृद्धि के प्रतिशत तथा प्रत्येक लोकेशन में हुए दस्तावेजों की संख्या के आधार पर उप जिला मूल्यांकन समिति द्वारा प्रस्ताव प्रेषित किए गए हैं।

बैठक में बताया गया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार गाइडलाइन दरों में वृद्धि का प्रस्ताव किया गया है, जिसमें आवासीय भूखंड में औसतन 12.20 प्रतिशत, व्यावसायिक भूखंड में 12.40 प्रतिशत, असिंचित कृषि भूमि में 12.34 प्रतिशत, सिंचित कृषि भूमि में 12.32 प्रतिशत, बहुमंजिला व्यावसायिक में 6.02 प्रतिशत तथा आवासीय बहुमंजिला में 4.67 प्रतिशत वृद्धि प्रस्तावित है। बैठक में जनपद पंचायत सीधी के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार, अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर राजेश शुक्ला, एसडीएम गोपद बनास राकेश शुक्ला सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

16 मार्च तक नागरिक जिला मूल्यांकन के प्रस्तावों का अवलोकन: नागरिकगण गाइडलाइन से संबंधित अपने सुझाव एवं प्रस्ताव का अवलोकन दिनांक 16 मार्च तक जिला पंजीयक कार्यालय तथा संबंधित उप पंजीयक कार्यालयों में प्रस्तुत कर सकते हैं। प्राप्त प्रस्तावों पर नियमानुसार परीक्षण कर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

अवकाश के दिन में खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय: साथ ही आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि मार्च माह में आने वाले समस्त सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी जिले के पंजीयन कार्यालय शासकीय कार्य एवं पंजीयन कार्य हेतु खुले रहेंगे, जिससे संपत्ति पंजीयन से संबंधित कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सकें। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि तक अपने सुझाव एवं प्रस्ताव प्रस्तुत करें, जिससे गाइडलाइन का निर्धारण पारदर्शी एवं वास्तविक बाजार परिस्थितियों के अनुरूप किया जा सके।

सोशल मीडिया पर आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति संबंधी भ्रामक जानकारी फैलाने पर प्रतिबंध

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने जारी की निषेधाज्ञा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी कर जिले में सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की भ्रामक, गलत या अपुष्ट जानकारी पोस्ट अथवा शेयर करने पर प्रतिबंध लगाया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 सहित अन्य प्रावधानों के तहत कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश में कहा गया है कि सीधी जिले में कुछ व्यक्तियों द्वारा सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति के संबंध में भ्रामक एवं गलत जानकारी प्रसारित की जा रही है, जिससे आमजन में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है और इससे जनसामान्य के जीवन-यापन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। इन परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा यह निषेधाज्ञा जारी की गई है।

आदेशानुसार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (1) के तहत कोई भी व्यक्ति, संस्था या समूह सोशल मीडिया अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की भ्रामक अथवा गलत जानकारी पोस्ट या शेयर नहीं करेगा। आदेश के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जनसंपर्क विभाग को निर्देशित किया गया है कि समाचार पत्रों एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से जनसामान्य को इसकी जानकारी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही संबंधित राजस्व अधिकारियों, थाना प्रभारियों तथा नगरीय एवं ग्रामीण निकायों के सक्षम अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों के सूचना पटल पर आदेश प्रदर्शित कर आम नागरिकों को अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट या भ्रामक जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करने से बचें और केवल आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करें।

युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन

428 युवाओं ने कराया पंजीयन, 185 आवेदकों का प्राथमिक चयन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय सीधी, आईटीआई सीधी, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी तथा ग्रामीण आजीविका मिशन सीधी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 12 मार्च 2026 को शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी परिसर में जॉब फेयर एवं कैरियर काउंसिलिंग योजनांतर्गत युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन किया गया।

जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोजित मेले में देश, प्रदेश एवं स्थानीय स्तर से निजी क्षेत्र की 07 कंपनियों ने भाग लिया। मेले में 428 युवक-युवतियों ने रोजगार के लिए पंजीयन कराया, जिनमें से 185 आवेदकों का प्राथमिक चयन कर उन्हें ऑफर लेटर प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के दौरान जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी तथा ग्रामीण आजीविका मिशन सीधी द्वारा स्वरोजगार से संबंधित योजनाओं के स्टॉल भी लगाए गए, जिनके माध्यम से आकांक्षी युवाओं को विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई, ताकि वे स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर बन सकें।

इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा भी स्टॉल लगाकर युवाओं एवं उपस्थित नागरिकों को विभिन्न बीमारियों के लक्षण, बचाव तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवा, छात्र-छात्राएं एवं संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में छात्रों ने प्रस्तुत किए नवाचारी प्रोटोटाइप मॉडल

उद्यमिता एवं स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी के इन्क्यूबेशन सेंटर में दिनांक 12 मार्च 2026 को प्रोटोटाइप डेवलपमेंट विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, उद्यमिता एवं समस्या समाधान की क्षमता को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें स्टार्टअप संस्कृति से जोड़ना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रतिभाशाली छात्रों ने अपने नवाचारी विचारों को प्रारंभिक प्रोटोटाइप मॉडल के रूप में विकसित कर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्र ऋषभ शुक्ला ने लोकल ई-कॉमर्स एवं पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर से संबंधित एक प्रारंभिक मॉडल

प्रस्तुत किया, जिसमें जल शुद्धिकरण, पैकेजिंग तथा पर्यावरण अनुकूल वितरण व्यवस्था की नवीन अवधारणा को प्रदर्शित किया गया।

इसी क्रम में छात्रा त्रिशाला सिंह चौहान ने क्लाउड किचन एवं टिफिन सर्विस का प्रोटोटाइप प्रस्तुत किया, जो आधुनिक जीवनशैली में स्वच्छ, किफायती एवं सुविधाजनक भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में एक व्यवहारिक पहल है। वहीं छात्र सुरेश पटेल ने एम्बुलेंस सेवा से संबंधित एक नवाचारी प्रारंभिक मॉडल प्रस्तुत कर आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने की अवधारणा साझा की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने-अपने बिजनेस मॉडल के संबंध में विस्तार से विचार प्रस्तुत किए तथा विशेषज्ञों और प्राध्यापकों से मूल्यवान सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किया, जो उनके स्टार्टअप प्रयासों को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के नवाचार आधारित कार्यक्रम युवाओं में उद्यमिता की भावना को विकसित करते हैं और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के मार्गदर्शन में तथा प्रो. राकेश कुमार प्रजापति नोडल अधिकारी, इन्क्यूबेशन सेंटर के संयोजकत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. गुलाम मोहइयुद्दीन सहायक नोडल अधिकारी इन्क्यूबेशन सेंटर, डॉ. विनोद कुमार प्रजापति, डॉ. मुकेश कुमार यादव, डॉ. यज्ञ प्रताप साहू, डॉ. शशिकला पटेल सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत 14 मार्च को, 22 खंडपीठों द्वारा होगा प्रकरणों का निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की पहली नेशनल लोक अदालत का आयोजन दिनांक 14 मार्च 2026 को जिला मुख्यालय सीधी तथा तहसील चुरहट, मझौली एवं रामपुर नैकिन में किया जायेगा। जिला मुख्यालय सीधी में प्रातः 10:30 बजे स्थानीय ए.डी.आर. भवन जिला न्यायालय परिसर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर द्वारा नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया जायेगा।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु 22 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया है। जिला न्यायालय सीधी में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर, विशेष न्यायाधीश विद्युत अधिनियम यतीन्द्र कुमार गुरू, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा, द्वितीय जिला न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव, प्रथम जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी, तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा, प्रथम जिला न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश उर्मिला यादव, प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनीता रावत, न्यायिक मजिस्ट्रेट सोनू जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट सरिता चौधरी, न्यायिक मजिस्ट्रेट कपिल देव काछी, न्यायिक मजिस्ट्रेट मृदुल लटौरिया, न्यायिक मजिस्ट्रेट अभिषेक साहू की न्यायिक खंडपीठ का गठन किया गया है। सिविल न्यायालय चुरहट में न्यायिक मजिस्ट्रेट लालता सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट वर्षा भलावी, न्यायिक मजिस्ट्रेट विजया विश्वकर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल त्रिपाठी एवं सिविल न्यायालय मझौली में न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवांगी सिंह परिहार, न्यायिक मजिस्ट्रेट रूची परते तथा सिविल न्यायालय रामपुर नैकिन में प्रथम जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के न्यायालय मे अतिरिक्त न्यायाधीश प्रकाश कसेर, न्यायिक मजिस्ट्रेट परमानंद सनोडिया एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट अरहम खान की खंडपीठों का गठन किया गया है। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे ने नेशनल लोक अदालत के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि न्यायालय में लंबित सिविल, आपराधिक, मोटर दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, श्रम विवाद, पारिवारिक विवाद, विद्युत, भूमि अधिग्रहण एवं अन्य मामलों के साथ साथ जलकर व बिजली के बिल संबंधी प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण कराया जायेगा। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी प्रयाग लाल दिनकर ने आमजन से अपील की है कि न्यायालय में राजीनामा योग्य लंबित प्रकरणों का निराकरण दिनांक 14 मार्च 2026 को आयोजित नेशनल लोक अदालत में कराये तथा विवाद-विहीन समाज की संकल्पना को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान करें।

नेशनल लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष छूट, 14 मार्च को निम्न दाब उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अधीक्षण अभियंता (संचा/संधा) म.प्र. पू. क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड सीधी ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135, 138 एवं 126 के अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए 14 मार्च 2026 (शनिवार) को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में निम्न दाब उपभोक्ताओं को विशेष छूट प्रदान की जाएगी। जारी जानकारी के अनुसार इस छूट का लाभ समस्त घरेलू उपभोक्ता, समस्त कृषि उपभोक्ता, 5 किलोवाट भार तक के गैर-घरेलू उपभोक्ता तथा 10 अश्वशक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ता प्राप्त कर सकेंगे।

बताया गया है कि प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा सिविल दायित्व की राशि में चूक होने पर आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छमाही चक्रवृद्धि दर से लगने वाले 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसी प्रकार लिटिगेशन स्तर पर सिविल दायित्व राशि में चूक की स्थिति में आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस के पश्चात प्रत्येक छमाही चक्रवृद्धि दर से लगने वाले 16 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की राशि पर भी 100 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि यह छूट 10 लाख रुपये तक की सिविल दायित्व राशि वाले प्रकरणों तक सीमित रहेगी। छूट का लाभ प्राप्त करने के लिए उपभोक्ता को निर्धारित छूट के बाद शेष देय सिविल दायित्व राशि का एकमुश्त भुगतान करना अनिवार्य होगा। साथ ही उपभोक्ता के नाम से अन्य किसी संयोजन पर विद्युत देयकों की बकाया राशि होने की स्थिति में उसका भी पूर्ण भुगतान करना होगा।

किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत मछुआरों के लिए उन्नत मत्स्यपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों एवं मछुआरों की आय बढ़ाने और आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में सीधी जिले में मछुआरों के लिए उन्नत मत्स्यपालन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मछुआरों को मत्स्यपालन की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराना है, ताकि वे वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर उत्पादन बढ़ा सकें और अपनी आय में वृद्धि कर सकें। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा मछली पालन की आधुनिक तकनीकों, तालाब एवं जल प्रबंधन, मछली स्वास्थ्य प्रबंधन तथा उत्पादन बढ़ाने के प्रभावी तरीकों पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी मछुआरों को उन्नत मत्स्यपालन तकनीकों के साथ-साथ मत्स्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की भी जानकारी प्रदान की जाएगी, जिससे वे इन योजनाओं का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को अधिक लाभदायक बना सकें।

कलेक्टर के निर्देश पर गैस गोदाम, वितरण स्थल एवं पेट्रोल पंपों का सघन निरीक्षण

पर्याप्त उपलब्धता, कालाबाजारी करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। घरेलू गैस उपभोक्ताओं को बिना किसी व्यवधान के नियमित एलपीजी उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी एवं अव्यवस्था की स्थिति पर सख्ती से नियंत्रण रखने के उद्देश्य से कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर जिले के गैस गोदामों, गैस वितरण स्थलों एवं पेट्रोल पंपों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने भंडारण, वितरण व्यवस्था तथा उपलब्धता की स्थिति का विस्तृत जायजा लिया।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि घरेलू उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एलपीजी वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखने के लिए अब पिछली डिलीवरी के 25 दिन बाद ही रिफिल बुकिंग स्वीकार की जा रही है, जिसका सख्ती से पालन कराया जाएगा।

कलेक्टर ने यह भी चेतावनी दी है कि गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा अनियमित वितरण की शिकायत मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार, सहायक एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में स्थित गैस गोदामों और वितरण स्थलों की नियमित एवं सतत निगरानी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या कालाबाजारी की स्थिति उत्पन्न न हो। इसी के परिप्रेक्ष्य में दिनांक 12.03.2026 को डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी प्रियल यादव, नायब तहसीलदार एकता शुक्ला, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राजेश कुमार सिंह तथा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी रघुवंशमणि शुक्ला द्वारा सुखेजा फिलिंग, गंगा फ्यूल, विजय फिलिंग तथा प्रताप गैस एजेंसी, लीना गैस एजेंसी एवं शिव शक्ति गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया गया।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में घरेलू गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा अनावश्यक रूप से एलपीजी का संग्रहण न करें। सभी उपभोक्ताओं को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय पर गैस उपलब्ध कराई जाएगी।

जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में स्काउट-गाइड विद्यार्थियों को तृतीय सोपान प्रमाण पत्र वितरित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से संचालित स्काउट-गाइड गतिविधियों के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को तृतीय सोपान प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, सामाजिक तथा आध्यात्मिक विकास को ध्यान में रखते हुए स्काउट-गाइड का गठन किया गया है। स्काउट-गाइड के माध्यम से छात्र-छात्राएं समय-समय पर विभिन्न साहसिक कैंपों एवं गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हैं।

विद्यार्थियों के उत्कृष्ट कार्यों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी, उप प्राचार्य

सुबोध कुमार तिवारी एवं वरिष्ठ शिक्षक रुपेश चौधरी द्वारा चयनित विद्यार्थियों को तृतीय सोपान प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर स्काउट मास्टर आर.पी. पटेल एवं मनीष कुमार दीक्षित, गाइड कैप्टन सुचिता सिंह एवं माधुरी वर्मा, विद्यालय कैप्टन मास्टर हर्षित द्विवेदी तथा अनुपमा द्विवेदी सहित सभी शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान स्काउट दीपक साकेत, लवकुश साकेत, विनीत कुशवाहा, प्रसून शुक्ला, पीयूष द्विवेदी, पंकज जायसवाल तथा गाइड अनुपमा द्विवेदी, नीलम पटेल, सोनम रजक, प्रज्ञा पटेल, लक्ष्मी साहू, प्रांजल नामदेव, रितिका सिंह एवं जिया सिंह चौहान को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को नेतृत्व क्षमता, सेवा भावना एवं अनुशासन के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया।

दूषित पानी शुद्ध करने की संवेदनशील पहल हो

संपादकीय

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। लेकिन यह जल यदि दूषित हो तो क्या इसे जीवन कहा जा सकता है? यूं तो देश के गांवों में महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन जोर-शोर से चलाया जाता रहा है। लेकिन यह बात परेशान करती है कि पेयजल का बड़ा हिस्सा प्रदूषित पाया गया है। लोग सेहत के लिये हानिकारक जल पीने को मजबूर हैं। फलतः इससे उत्पन्न बीमारियों की चुनौतियों का सामना करने को बाध्य होते हैं। यह हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही कही जाएगी कि देश के करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ जल की उपलब्धता से वंचित हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि देश के तमाम इलाकों में लिए गए दूषित पेयजल नमूनों के करीब दो तिहाई हिस्से को शुद्ध करने के प्रयास नहीं हुए हैं। जो इस बात को दर्शाता है कि आज भी देश के करोड़ों लोग स्वच्छ पेयजल हासिल नहीं कर पा रहे हैं। यह स्थिति हमारे विकास के मॉडल व तरक्की के दावों की तार्किकता पर प्रश्न चिन्ह लगाती है। यही वजह है कि दूषित जल से होने वाले रोगों का दायरा बढ़ रहा है। यह अच्छी बात है कि जोर-शोर से घर-घर नल से जल पहुंचाने की सार्थक पहल की गई। निस्संदेह, हर व्यक्ति का अधिकार है कि उसे अपने घर में स्वच्छ पेयजल मिले। इसी मकसद से साल 2019 में जल जीवन मिशन को सिरे चढ़ाया गया था। लेकिन इस योजना के सुरक्षित तरीके से संचालन और स्वच्छ जल आपूर्ति को लेकर सवाल खड़े होते रहे हैं। यह हकीकत है कि जब लोगों को स्वच्छ जल नहीं मिलता तो कई तरह के रोगों के पैदा होने का खतरा उत्पन्न हो जाता है। कहा भी जाता है कि हमारे अधिकांश रोग पेट से ही शुरू होते हैं। खासकर बच्चों व बुजुर्गों के लिये यह एक बेहद संवेदनशील मामला है। जिससे बचने के लिये स्वच्छ जल की आपूर्ति सुनिश्चित करना बेहद जरूरी हो जाता है। देश में बार-बार स्वच्छ शहर का खिताब हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में पिछले दिनों प्रदूषित पेयजल से होने वाली मौतों ने देश में खतरे की घंटी बजायी। घटना ने स्पष्ट संकेत दिया कि यदि इस दिशा में व्यापक स्तर पर प्रयास नहीं किए गए तो आने वाले समय में देश के सामने गंभीर स्वास्थ्य चुनौती पैदा हो सकती है। उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीणों तक पहुंचाए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की परख के लिये पानी के सैंपल लिए जाते हैं। साथ ही स्वच्छ पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जवाबदेह लोगों के खिलाफ एक्शन भी लिया जाता है। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जल जीवन मिशन के तहत तमाम राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल सैंपलों की जांच की गई। लेकिन चिंताजनक स्थिति यह है कि कुल नमूनों के छब्बीस प्रतिशत को ही शुद्ध करने के प्रयास हुए हैं। आखिर देश के किसी भी भाग में पेयजल के सैंपल लेने का क्या औचित्य रह जाता है, जब प्रदूषित जल को लेकर उपचारात्मक प्रयास न किए जाए

बदलता नेपाल : बालेन शाह का उभार और भारत के लिए कूटनीतिक संदेश

दिलीप कुमार पाठक

नेपाल की राजनीति आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ पुरानी पीढ़ी का सूर्यास्त और एक नई, तकनीक-प्रेमी युवा पीढ़ी का उदय साफ देखा जा सकता है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह यानी बालेन शाह का जिस तरह से पूरे नेपाल में प्रभाव बढ़ा है, उसने न केवल वहां के पारंपरिक राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी है, बल्कि दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। नेपाल की जनता, विशेषकर युवा वर्ग, अब शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और प्रचंड जैसे पुराने चेहरों के सिंडिकेट राज से ऊब चुका है। बालेन शाह की बढ़ती लोकप्रियता केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि यह नेपाल की उस व्यवस्था के खिलाफ एक जनाक्रोश है, जो दशकों से भ्रष्टाचार और अस्थिरता की शिकार रही है।

इस बदलाव की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ समय से चल रहे जन-आंदोलन और सोशल मीडिया की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नेपाल का युवा अब रोजगार, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन चाहता है। बालेन शाह ने मेयर के रूप में जिस तरह से काठमांडू की सड़कों, कचरा प्रबंधन और अतिक्रमण पर काम किया, उसने उन्हें एक मैजिक मैन की छवि दे दी है। वे पेशे से स्ट्रक्चरल इंजीनियर हैं और उनका गवर्नेंस मॉडल जज्बातों से ज्यादा आंकड़ों और समाधान पर आधारित है। यही कारण है कि आज नेपाल के गांव-गांव में उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का आधार मजबूत हो रहा है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में यदि वे देश की कमान संभालते हैं, तो नेपाल की आंतरिक और विदेश नीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे। बालेन शाह के विजन का एक बड़ा हिस्सा नेपाल को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और खाड़ी देशों में हो रहे युवाओं के भारी पलायन को रोकना है। वे अक्सर अपनी तकरीरों में नेपाल की जल-विद्युत क्षमता और पर्यटन को भारतीय बाजार से जोड़ने की बात करते हैं, लेकिन एक समान साझेदार की शर्त पर। भारत के लिए यह एक रणनीतिक चुनौती है कि वह नेपाल की इस नई आर्थिक महत्वाकांक्षा को अपने नेबरहुड फर्स्ट विजन में कैसे फिट करता है। यदि बालेन शाह सत्ता के शीर्ष पर पहुँचते हैं, तो सीमा सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत को एक ऐसा साथी मिल सकता है जो तकनीकी निगरानी और आधुनिक प्रबंधन में विश्वास रखता है। नेपाल का नया नेतृत्व अब केवल सहायता नहीं, बल्कि सार्थक निवेश और तकनीकी हस्तांतरण की मांग कर रहा है, जो भारत के लिए अपनी कूटनीतिक शैली बदलने का संकेत है। भारत के लिए नेपाल का यह नया नेतृत्व एक पहेली जैसा है। बालेन शाह की छवि एक प्रखर और कभी-कभी आक्रामक राष्ट्रवादी की रही है। उन्होंने मेयर रहते हुए काठमांडू में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने जैसा कड़ा फैसला लिया था और अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाकर अपनी राजनीतिक लकीर खींच दी थी। उनकी नीति स्पष्ट रूप से नेपाल फर्स्ट की है, जिसका मतलब है कि वे किसी भी पड़ोसी देश के प्रभाव में दबकर काम नहीं करेंगे। ऐसे में नई दिल्ली को अब एक ऐसे नेतृत्व से संवाद करना होगा जो पुरानी कूटनीतिक मर्यादाओं के बजाय सीधे और बेबाक फैसलों में यकीन रखता है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह बालेन शाह के राष्ट्रवाद को किस तरह एक रचनात्मक सहयोग में बदलता है, हालांकि, इस सिक्के का एक दूसरा और सकारात्मक पहलू भी है। बालेन शाह ने अपनी उच्च शिक्षा भारत से पूरी की है। वे भारतीय समाज की बारीकियों, यहाँ की लोकतांत्रिक व्यवस्था और दोनों देशों के बीच के रोटी-बेटी के रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर हो सकता है क्योंकि एक पढ़ा-लिखा और विजनरी नेतृत्व चीन के कर्ज जाल और उसकी विस्तारवादी नीतियों के खतरों को बेहतर समझता है। भारत अब नेपाल के साथ जल-विद्युत परियोजनाओं, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापारिक समझौतों पर अधिक पारदर्शी और तकनीकी धरातल पर बात कर सकता है। बालेन जैसे नेता पुरानी फाइलों के बजाय डिलीवरी पर जोर देते हैं, जो भारत के निवेश के लिए एक अच्छा संकेत है।

> शहीद-ए-आजम सरदार उधम सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन दीपस्तंभों में से एक हैं, जिनका नाम साहस और अटूट संकल्प का प्रतीक है। दूसरे शब्दों में कहें तो उधम सिंह (राम मोहम्मद सिंह आज़ाद) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारियों में से एक थे। उनके बचपन का नाम शेर सिंह था तथा उनका जन्म 26 दिसंबर 1899 को सुनाम,जिला संगरूर,पंजाब में हुआ था ।उनके पिता का नाम सरदार टहल सिंह था, जो रेलवे ओवरसियर (चौकीदार) के रूप में कार्य करते थे तथा उनकी माता का नाम नारायण कौर था।

जलियांवाला बाग से कैक्सटन हॉल तक : शहीद-ए-आजम ऊधम सिंह की अमर गाथा

सुनील कुमार महला

पाठकों को बताता चलूं कि बचपन में ही उनके माता-पिता का निधन हो गया था, कहते हैं कि उनका पालन-पोषण अमृतसर के एक अनाथालय में हुआ था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार माता-पिता के साये के बिना, उन्हें और उनके बड़े भाई (मुक्ता सिंह) को अमृतसर के सेंट्रल खालसा अनाथालय में शरण लेनी पड़ी।यह भी उल्लेखनीय है कि उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा अनाथालय में ही रहकर पूरी की और वहीं से 1918 में मैट्रिक की परीक्षा पास की।13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में हुए भीषण जलियाँवाला बाग हत्याकांड ने उधमसिंह के जीवन की दिशा बदल दी। दरअसल, उस समय वे अमृतसर में ही थे, और कहा जाता है कि वे घायल लोगों को पानी पिला रहे थे। इस क्रूर घटना ने उनके मन पर बहुत ही गहरा प्रभाव डाला और उन्होंने इस नरसंहार का बदला लेने का संकल्प लिया। वे इस घटना के लिए पंजाब के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर माइकल ओ'ड्वायर को जिम्मेदार मानते थे।

जलियांवाला बाग हत्याकांड पृष्ठभूमिः- दरअसल, 1919 में ब्रिटिश सरकार ने रॉलेट अधिनियम-1919 (जिसे काला कानून भी कहा गया) पारित किया। इस कानून के तहत सरकार को यह अधिकार मिल गया था कि वह किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाए गिरफ्तार कर सकती थी।इस अन्यायपूर्ण कानून का पूरे देश में विरोध हुआ। इसी विरोध के दौरान अमृतसर के लोकप्रिय नेताओं सैफुद्दीन किचलू और सत्यपाल को गिरफ्तार कर लिया गया और उनकी रिहाई की मांग और रॉलेट एक्ट(अधिनियम) के विरोध में 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में एक शांतिपूर्ण सभा आयोजित की गई।

वैशाखी का दिन और विशाल भीड़ः- 13 अप्रैल 1919 को वैशाखी का पर्व था। इसलिए लगभग 10,000 पुरुष, महिलाएँ और बच्चे जलियांवाला बाग में एकत्र हो गए थे। कई लोग राजनीतिक सभा के लिए आए थे, जबकि अनेक लोग केवल मेले के कारण वहाँ पहुँचे थे। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि उस समय जलियांवाला बाग कोई व्यवस्थित बगीचा नहीं था, बल्कि यह मकानों से घिरा एक बड़ा खाली मैदान था तथा वहाँ आने-जाने के लिए केवल एक संकरा प्रवेश मार्ग था और चारों ओर ऊँची दीवारें व मकान स्थित थे।जब इस विशाल सभा की सूचना ब्रिटिश अधिकारी रेजिनाल्ड डायर को मिली, तो वह लगभग 90 सैनिकों के साथ वहाँ पहुँचा। कहते हैं कि उसके साथ दो मशीनगनों से लैस बख्तरबंद गाड़ियाँ भी

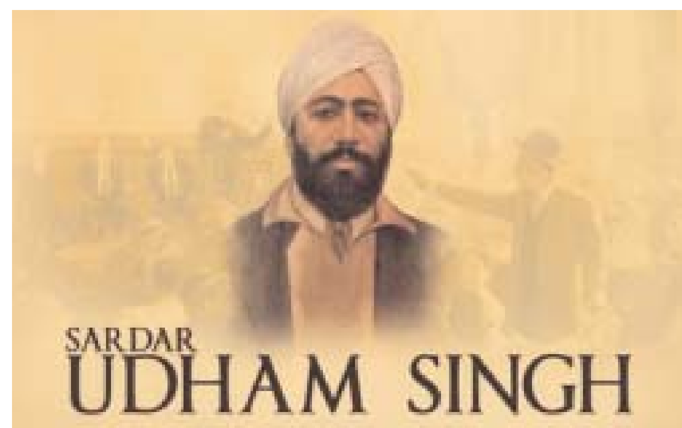

थीं, लेकिन बाग का रास्ता संकरा होने के कारण वे अंदर नहीं जा सकीं।

गोलाबारी और भीषण नरसंहारः- जनरल डायर ने बिना किसी चेतावनी के सैनिकों को भीड़ पर गोली चलाने का आदेश दे दिया। सैनिकों ने लगभग 10 मिनट तक लगातार गोलीबारी की और लगभग 1650 राउंड गोलियाँ चलाई।गोलीबारी तब तक जारी रही जब तक गोला-बारूद लगभग समाप्त नहीं हो गया। चूँकि, सैनिकों ने सभी रास्तों को घेर लिया था, इसलिए लोग वहाँ से भाग नहीं सके और सैकड़ों लोग वहीं गिर पड़े।अपनी जान बचाने के लिए कई लोग बाग में स्थित एक कुएँ में कूद गए। बाद में उस कुएँ से 100 से अधिक शव निकाले गए। आज यह स्थान शहीदी कुआँ के नाम से प्रसिद्ध है और वहाँ स्मारक के रूप में सुरक्षित रखा गया है।

मृतकों की संख्या और अमानवीय दमनः- जलियांवाला बाग हत्याकांड में मृतकों की संख्या को लेकर विभिन्न आँकड़े मिलते हैं।ब्रिटिश सरकारी अभिलेखों के अनुसार 379 लोग मारे गए और लगभग 200 घायल हुए।अमृतसर डिप्टी कमिश्नर कार्यालय की सूची में 484 शहीदों का उल्लेख मिलता है। वहीं पर जलियांवाला बाग की सूची में 388 शहीदों का उल्लेख है।भारतीय अनौपचारिक आँकड़ों के अनुसार 1000 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 2000 घायल हुए। ब्रिटिश अभिलेखों के अनुसार मृतकों में 337 पुरुष, 41 नाबालिग लड़के और एक छह सप्ताह का शिशु शामिल था। कहते हैं कि इस घटना के बाद पूरे अमृतसर में कर्फ्यू लगा दिया गया था और घायलों को अस्पताल ले जाने तक की अनुमति भी नहीं दी गई। परिणामस्वरूप, कई लोग रातभर तड़पते हुए दम तोड़ बैठे। नरसंहार के बाद अमृतसर में मार्शल लॉ लागू कर दिया गया था और लोगों के आवागमन तथा संचार पर कड़ी पाबंदियाँ लगा दी गईं। वास्तव में, डायर ने शहर में कई कठोर आदेश लागू किए। इनमें सबसे कुख्यात था क्रॉलिंग ऑर्डर, जिसके तहत जिस गली में एक अंग्रेज महिला पर हमला हुआ था, वहाँ से गुजरने वाले भारतीयों को पेट के बल रेंगकर(क्रॉलिंग करते हुए) जाने के लिए मजबूर किया जाता था। इसके अतिरिक्त, कई स्थानों पर लोगों को सार्वजनिक रूप से कोड़े भी लगाए गए।

ऊधम सिंह का प्रतिशोधः- जलियांवाला बाग की इस घटना ने ऊधम सिंह के मन में प्रतिशोध की तीव्र भावना उत्पन्न कर दी। अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए वे कई वर्षों तक अवसर की प्रतीक्षा करते रहे। दरअसल,उधम सिंह ने लगभग 21 साल तक धैर्य और संकल्प के साथ प्रतीक्षा की और अंततः अपने देशवासियों के लिए न्याय का प्रतीक बन गए। कहते हैं कि इस दौरान उन्होंने अफ्रीका, अमेरिका और यूरोप जैसे देशों की यात्राएँ भी कीं और विभिन्न क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े रहे। सरल शब्दों में कहें तो अपनी प्रतिज्ञा पूरी करने के लिए वे विभिन्न देशों (जैसे अफ्रीका, अमेरिका और यूरोप) की यात्रा करते हुए 1934 में लंदन पहुँचे और वहां उन्होंने राम मोहम्मद सिंह आजाद नाम अपनाया, जो भारत की सांप्रदायिक एकता का प्रतीक था। सरदार उधमसिंह,भगतसिंह को वे अपना गुरू मानते थे। यहां पाठकों को बताता चलूं कि उधम सिंह, शहीद भगत सिंह से उम्र में बड़े थे, फिर भी वे उन्हें अपना गुरु और मार्गदर्शक मानते थे।1927 में जब वे भगत सिंह के कहने पर वापस भारत आए, तो उनके पास भारी मात्रा में हथियार और प्रतिबंधित साहित्य मिला, जिसके कारण उन्हें 5 साल की जेल हुई।?उनकी जेब में हमेशा भगत सिंह की एक तस्वीर रहती थी। इसके अलावा, उधमसिंह का गदर पार्टी(अमेरिका में सदस्य बनें) से सक्रिय जुड़ाव रहा।?वे महान क्रांतिकारी अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) से बेहद प्रभावित थे और उनसे विदेश में मिले भी थे। उन्होंने भारत की आजादी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थन जुटाने का काम किया।बहुत कम लोग जानते हैं कि लंदन में रहते हुए अपनी पहचान छिपाने और पैसे कमाने के लिए उन्होंने हॉलीवुड की फिल्मों में एक्स्ट्रा के तौर पर काम किया था।?उन्होंने एलिफैंट ब्वाय (1937) और द फोर फीदर्स (1939) जैसी फिल्मों में छोटे रोल भी किए थे।

माइकल ओ'ड्वायर की हत्याः- अंततः 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में आयोजित एक सभा में उधमसिंह एक मोटी किताब के भीतर पिस्तौल छिपाकर पहुँचे। सभा के दौरान उन्होंने माइकल ओ'ड्वायर पर गोली चलाकर उसकी हत्या कर दी।इस प्रकार उन्होंने जलियांवाला बाग के शहीदों के प्रति लिया गया अपना संकल्प पूरा किया। हालांकि, इसके तुरंत बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।एक दिलचस्प तथ्य यह है कि ?कैक्सटन हॉल की घटना के बाद, उधम सिंह ने वहां से भागने की कोशिश नहीं की, बल्कि उन्होंने स्वेच्छा से गिरफ्तारी दी, क्योंकि वे चाहते थे कि पूरी दुनिया को पता चले कि भारतीय अपने अपमान और नरसंहार का बदला लेना जानते हैं।

मुकदमा और फाँसीः- अदालत में उधमसिंह ने निर्भीक होकर कहा कि उन्होंने यह कार्य अपने देशवासियों पर हुए अत्याचार का बदला लेने के लिए किया है। उनका प्रसिद्ध कथन था- मैंने यह इसलिए किया, क्योंकि वह इसके योग्य था। वह मेरे लोगों की भावनाओं को कुचलना चाहता था, इसलिए मैंने उसे कुचल दिया। मुकदमे के बाद 31 जुलाई 1940 को लंदन की पेंटनविले जेल में उन्हें फाँसी दे दी गई। यहां पाठकों को बताता चलूं कि लंदन की पेंटनविले जेल में कैद के दौरान, उधम सिंह ने 42 दिनों तक भूख हड़ताल की थी। ब्रिटिश अधिकारियों ने उन्हें जबरन खाना खिलाने की कोशिश की, लेकिन उनके हौसले को नहीं तोड़ सके। वे अंत तक अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। बाद में 1974 में उनकी अस्थियाँ भारत लाई गईं और उन्हें देश के महान शहीदों में सम्मानित स्थान दिया गया। गौरतलब है कि उनके अवशेषों(अस्थियाँ) के कुछ हिस्से अमृतसर के जलियांवाला बाग में भी रखे गए हैं।

अंत में निष्कर्षतः यही कहूंगा कि, ऊधम सिंह का जीवन अदम्य साहस, देशभक्ति और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का महान उदाहरण है। जलियांवाला बाग जैसी भीषण घटना ने उनके मन में स्वतंत्रता और न्याय के लिए प्रबल संकल्प उत्पन्न किया, जिसे उन्होंने वर्षों बाद पूरा किया। उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अत्याचार के विरुद्ध प्रतिरोध की अमर गाथा बन गया। आज भी ऊधम सिंह का नाम देशभक्ति, त्याग और शहीदों के सम्मान के प्रतीक के रूप में श्रद्धा के साथ स्मरण किया जाता है। ऐसे महान क्रांतिकारी के जज्बे और उनकी शहादत को शत-शत नमन, विनम्र श्रद्धांजलि।

(नील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

राहुल गांधी के सवालों का जबाव क्या सत्ता के पास नहीं?

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संसद है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद, बहस और जवाबदेही का भी केंद्र है। ऐसे में यदि विपक्ष के प्रमुख नेता को अपनी बात रखने का अवसर न मिले, तो यह लोकतांत्रिक परंपराओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। हाल के दिनों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संसद में बोलने से रोकने को लेकर लगातार विवाद उठता रहा है। आखिर वो ऐसा क्या बोल देंगे जिससे सत्तापक्ष घबरा जायेगा ? मान लिया जाये कि उन्होंने कुछ कहा तो आप तो सत्तापक्ष है अपना बड़प्पन दिखाते हुए संसद में उन्हें सही कर दें ? वहीं इससे लगता है कि सत्तापक्ष उन्हें अधिक फुटेज देना नहीं चाहता। कभी राहुल गांधी को पप्पू की संज्ञा देने में भाजपा ने करोड़ों खर्च कर दिए। वहीं राहुल गांधी ने एक परिपक्व नेता की तरह अपने को साबित कर दिया है कि उनके सवालों का जबाव भाजपा के पास नहीं है ?

सौरभ वार्ष्णेय

विपक्ष का आरोप है कि जब भी राहुल गांधी सरकार की नीतियों, आर्थिक मुद्दों या विदेश नीति पर सवाल उठाना चाहते हैं, तब सत्ता पक्ष शोर-शराबा या प्रक्रियात्मक आपत्तियों के जरिए उनकी आवाज दबाने की कोशिश करता है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसे लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ बताते हैं। उनका कहना है कि संसद में चुने हुए प्रतिनिधि को बोलने से रोकना जनता की आवाज को रोकने के समान है।

दूसरी ओर, सत्ता पक्ष का तर्क अलग है। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि राहुल गांधी कई बार ऐसे आरोप लगाते हैं जो तथ्यों पर आधारित नहीं होते या संसद की गरिमा के खिलाफ होते हैं। इसलिए जब तक वे अपने आरोपों के लिए ठोस प्रमाण नहीं देते, तब तक उन्हें बिना रोक-टोक बोलने देना उचित नहीं माना जाता। भाजपा नेताओं का यह भी कहना है कि संसद में नियम और प्रक्रियाएं हैं, जिनका पालन सभी सदस्यों को करना चाहिए।

इस पूरे विवाद में लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका भी चर्चा में रहती है। लोकसभा के स्पीकर पर विपक्ष अक्सर यह आरोप लगाता है कि वे सत्ता पक्ष के दबाव में विपक्ष को पर्याप्त समय नहीं देते। हालांकि स्पीकर का पक्ष यह रहता है कि वे केवल सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने की कोशिश करते हैं और नियमों के अनुसार ही निर्णय लेते हैं।

असल प्रश्न केवल राहुल गांधी तक सीमित नहीं है। यह मुद्दा संसद में स्वस्थ बहस और संवाद की परंपरा से जुड़ा हुआ है। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की आवाज जरूरी होती है। यदि विपक्ष को बोलने का अवसर नहीं मिलेगा तो सरकार की नीतियों की समीक्षा और आलोचना कैसे होगी? वहीं विपक्ष को भी अपनी बात जिम्मेदारी और तथ्यों के आधार पर रखनी चाहिए।

लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि संसद में असहमति की आवाज को दबाया न जाए, बल्कि उसे सुना जाए और उस पर तर्कपूर्ण बहस हो। यदि संसद संवाद का मंच बनेगी तो लोकतंत्र मजबूत होगा, और यदि वहां केवल टकराव ही दिखाई देगा, तो यह लोकतांत्रिक संस्थाओं की सेहत के लिए अच्छा संकेत नहीं होगा।

कानून से आगे, लोकतंत्र का संवाद मंच- भारत की संसद केवल कानून बनाने की संस्था भर नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा का प्रतीक भी है। संसद वह मंच है जहाँ सत्ता और विपक्ष के बीच संवाद, बहस और जवाबदेही की प्रक्रिया चलती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि यहाँ जनता के प्रतिनिधि देश के विभिन्न मुद्दों पर खुलकर चर्चा करते हैं और सरकार से जवाब मांगते हैं। संसद का मुख्य कार्य कानून बनाना अवश्य है, लेकिन इसकी भूमिका इससे कहीं व्यापक है। यहाँ सरकार की नीतियों की समीक्षा होती है, जनता की समस्याएँ उठाई जाती हैं और देश की दिशा तय करने वाली बहसें होती हैं। जब सत्ता पक्ष अपनी नीतियों और निर्णयों को संसद के सामने रखता है, तो विपक्ष का दायित्व होता है कि वह उन पर सवाल उठाए, उनकी आलोचना करे और आवश्यक सुधारों की मांग करे। यही प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत बनाती है।

विपक्ष का मजबूत और सक्रिय होना लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। यदि संसद में केवल सत्ता पक्ष की आवाज़ ही सुनाई दे और विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर न मिले, तो लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ सकता है। संसद में बहस और असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत होती है।

दुर्भाग्य से पिछले कुछ समय में संसद के कामकाज में व्यवधान, हंगामा और राजनीतिक टकराव अधिक देखने को मिलते हैं। इससे न केवल संसद की गरिमा प्रभावित होती है, बल्कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर चर्चा भी बाधित होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा करती है कि वे संसद को संघर्ष का नहीं, बल्कि समाधान का मंच बनाएं। आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को समझें। सरकार को विपक्ष की बात सुनने और संवाद की परंपरा को मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए, वहीं विपक्ष को भी रचनात्मक आलोचना और सार्थक बहस के माध्यम से लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाना चाहिए।

संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, बल्कि लोकतंत्र की वह प्रयोगशाला है जहाँ विचारों का मंथन होता है और देश के भविष्य की दिशा तय होती है। यदि संसद में संवाद, बहस और जवाबदेही की संस्कृति मजबूत होगी, तभी लोकतंत्र भी सशक्त और जीवंत बना रहेगा।

क्या अपनी बात रखने के लिए विपक्ष को अविश्वास मत लाना होगा?

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संसद है, जहां सत्ता और विपक्ष दोनों को अपनी बात रखने, बहस करने और सरकार से जवाबदेही तय करने का अधिकार होता है। संसद केवल कानून बनाने का मंच नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक संवाद का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम भी है। लेकिन यदि विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए बार-बार अविश्वास प्रस्ताव का सहारा लेना पड़े, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय बन जाता है।

अविश्वास प्रस्ताव का उद्देश्य सरकार की वैधता को चुनौती देना होता है। जब विपक्ष को लगता है कि सरकार ने जनता का भरोसा खो दिया है, तब वह संसद में अविश्वास मत लाता है। लेकिन यदि विपक्ष को केवल अपनी आवाज सुनाने के लिए ही इस कठोर संसदीय हथियार का इस्तेमाल करना पड़े, तो यह संसद की सामान्य कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह बनाना और जनहित के मुद्दों को उठाना भी है। यदि संसद में विपक्ष के नेताओं को बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता या उनकी बात को लगातार टाल दिया जाता है, तो इससे लोकतांत्रिक संवाद कमजोर होता है। संसद की गरिमा इस बात में है कि वहां असहमति को भी सम्मान के साथ सुना जाए। विपक्ष की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। उसे केवल टकराव की राजनीति से आगे बढ़कर रचनात्मक बहस और ठोस सुझाव देने चाहिए। संसद का समय नारेबाजी और हंगामे में नष्ट करने के बजाय नीति और जनहित के मुद्दों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। इससे लोकतंत्र मजबूत होगा और जनता का भरोसा भी बना रहेगा। आज जरूरत इस बात की है कि संसद को टकराव का नहीं, बल्कि संवाद का मंच बनाया जाए। सरकार को विपक्ष की बात सुनने के लिए तैयार रहना चाहिए और विपक्ष को भी जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए। लोकतंत्र तब ही सशक्त होगा जब सत्ता और विपक्ष दोनों मिलकर संसद की गरिमा और संवाद की परंपरा को बनाए रखें।

यदि स्थिति ऐसी बन जाए कि अपनी बात रखने के लिए विपक्ष को बार-बार अविश्वास मत का सहारा लेना पड़े, तो यह केवल सरकार या विपक्ष की नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र की विफलता मानी जाएगी। इसलिए आवश्यक है कि संसद में संवाद, सहमति और स्वस्थ बहस की संस्कृति को पुनः मजबूत किया जाए। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

14 साल की नाबालिग से ज्यादती, खेत की झोपड़ी में 50 वर्षीय आरोपी ने किया दुष्कर्म; गिरफ्तार कर जेल भेजा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के खनियाधाना थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी में एक 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। कुछ दिन पहले रात में 50 वर्षीय आरोपी ने उसे जबरदस्ती खेत में ले जाकर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने पिता की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसे उपजेल पिछोर भेज दिया गया है। पीड़िता ने अपने पिता के साथ खनियाधाना थाने पहुंचकर इस घटना की शिकायत दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले रात करीब 11:30 बजे वह घर के बाहर शौचालय के लिए निकली थी। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला 50 वर्षीय कल्याण कुशवाह (पिता आशाराम कुशवाह) उसे जबरदस्ती खींचकर ले गया।

खेत में बनी झोपड़ी में ले जाकर किया दुष्कर्म: आरोपी कल्याण कुशवाह गांव में ही एक खेत में बनी झोपड़ी में रहता है। वह नाबालिग को जबरन खींचकर उसी झोपड़ी में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। नाबालिग ने पुलिस को बताया कि उसकी मां की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। इस कारण वह घटना के समय अपनी मां या परिवार में किसी अन्य को कुछ नहीं बता पाई। जब उसके पिता मजदूरी करके घर लौटे, तब उसने उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पिता उसे लेकर थाने पहुंचे।

पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज, आरोपी जेल भेजा गया: खनियाधाना थाना प्रभारी केदार सिंह यादव ने बताया कि पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी पर अपराध क्रमांक 69/2026 के तहत बीएनएस की धारा 64 (1), 65(1), 351(3) और 5/6, 3/4 (2) पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसका मेडिकल परीक्षण कराया। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे उपजेल पिछोर भेज दिया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर हुई कार्रवाई: पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की है।

होटलों में घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग पर खाद्य विभाग की सख्त कार्रवाई, दो प्रतिष्ठानों से सिलेंडर जब्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग को लेकर खाद्य विभाग ने सख्ती दिखाते हुए संयुक्त जांच अभियान चलाया। गुरुवार को खाद्य विभाग की टीम ने मनेन्द्रगढ़ और चैनपुर क्षेत्र के होटलों का निरीक्षण किया, जिसमें दो प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग पाए जाने पर उसे मौके पर ही जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

खाद्य विभाग के संयुक्त जांच दल में खाद्य अधिकारी मनेन्द्रगढ़, सहायक खाद्य अधिकारी मनेन्द्रगढ़ तथा खाद्य निरीक्षक मनेन्द्रगढ़ शामिल थे। टीम द्वारा जिले के कुल तीन होटलों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान चंदन होटल, चैनपुर में एक नग घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) का उपयोग खाना बनाने के लिए किया जाना पाया गया। इसी प्रकार हाईवे होटल, चैनपुर में भी एक नग घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग व्यावसायिक कार्य में किया जाना पाया गया।

जांच दल ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग केवल घरेलू ईंधन के रूप में किया जाना नियमानुसार निर्धारित है। इसका व्यावसायिक उपयोग करना द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं वितरण विनियम) आदेश 2000 की कंडिका 31 (ग) का उल्लंघन है, जो कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। नियमों के उल्लंघन के कारण दोनों होटलों से एक-एक घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर शैलपुत्री इंडेन गैस एजेंसी को सुपुर्द किया गया।

यह कार्रवाई चंदन होटल के संचालक श्री बाबूलाल शाह तथा हाइवे होटल के संचालक श्री अशोक दास की उपस्थिति में विधिवत पंचनामा एवं जप्तीनामा तैयार कर की गई। वहीं हजारी होटल, मुख्य बाजार मनेन्द्रगढ़ के निरीक्षण के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग नहीं पाया गया। इस प्रतिष्ठान में 18 नग व्यवसायिक गैस सिलेंडर उपलब्ध पाए गए, जो नियमानुसार उपयोग में लाए जा रहे थे।

खाद्य विभाग ने होटल संचालकों एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को चेतावनी देते हुए कहा है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग केवल घरेलू प्रयोजन के लिए ही किया जाए। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडर के उपयोग पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के निरीक्षण अभियान लगातार जारी रखने की बात कही गई है।

महतारी वंदन योजना बनी सहारा, दीप्ति वर्मन ने मनिहारी दुकान से बदली अपनी जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना आज अनेक महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद और आत्मविश्वास लेकर आई है। इस योजना के माध्यम से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने कई महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने की प्रेरणा दी है। जिले के दूरस्थ विकासखंड भरतपुर के ग्राम पंचायत जमथान की निवासी दीप्ति वर्मन भी ऐसी ही महिलाओं में शामिल हैं, जिन्होंने इस योजना से मिली सहायता को अवसर में बदलकर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। दीप्ति वर्मन को महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। शुरुआत में यह राशि उनके लिए छोटी जरूर थी, लेकिन उन्होंने इसे बचाकर एक नई शुरुआत करने का संकल्प लिया। धीरे-धीरे बचाई गई राशि और अपनी मेहनत से उन्होंने गांव में एक छोटी मनिहारी दुकान शुरू की। शुरुआत में उनकी दुकान में सीमित सामान ही उपलब्ध था, लेकिन दीप्ति वर्मन ने हार नहीं मानी। वे लगातार योजना से मिलने वाली राशि को अपने व्यवसाय में लगाती रहीं। समय के साथ दुकान में सामान की संख्या बढ़ती गई और ग्राहकों की संख्या भी बढ़ने लगी। आज उनकी मनिहारी दुकान गांव के लोगों के लिए दैनिक जरूरतों का एक भरोसेमंद केंद्र बन चुकी है। इस दुकान से उन्हें हर महीने लगभग 4 से 5 हजार रुपये तक की आय होने लगी है। इस आय से न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि वे अपने बच्चों की शिक्षा और जरूरतों को भी बेहतर तरीके से पूरा कर पा रही हैं।

तेज आवाज डीजे पर कार्रवाई, मातोश्री गार्डन के पास रात 12:30 बजे बज रहा था डीजे; वाहन, 14 स्पीकर और लैपटॉप जब्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में तेज आवाज में डीजे बजाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने पर कोतवाली पुलिस ने 12 मार्च की रात 12:30 बजे बड़ी कार्रवाई की है। ग्वालियर बायपास स्थित मातोश्री गार्डन के पास से पुलिस ने एक डीजे वाहन (छोटा हाथी) सहित 14 साउंड स्पीकर, 11 डिस्को लाइट और लैपटॉप जब्त किया है। डीजे संचालक के पास अनुमति नहीं होने पर उसके खिलाफ कोलाहल अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 12 मार्च की रात करीब 12:30 बजे ग्वालियर बायपास स्थित मातोश्री गार्डन के पास तेज आवाज में डीजे बजने की सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल पहुंची कोतवाली पुलिस की टीम ने मौके पर जाकर डीजे को बंद कराया और संचालक से पूछताछ की। पूछताछ में डीजे संचालक की पहचान ठकुरपुरा निवासी 26 वर्षीय राजा जाटव (पिता भागीरथ जाटव) के रूप में हुई। जब पुलिस ने उससे डीजे बजाने का लाइसेंस और अनुमति पत्र मांगा, तो वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

छोटा हाथी, जनरेटर और 14 स्पीकर जब्त: वैध अनुमति न होने पर पुलिस ने मध्य प्रदेश कोलाहल अधिनियम की धारा 15 के तहत कार्रवाई करते हुए पूरा साउंड सिस्टम जब्त कर लिया। जब्त किए गए सामान में छोटा हाथी वाहन (एमपी 33 रु 3079), एक जनरेटर, 14 साउंड स्पीकर, 11 डिस्को लाइट और एक लैपटॉप शामिल है। कोतवाली थाना प्रभारी कृपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि पुलिस ने डीजे संचालक राजा जाटव के खिलाफ अपराध क्रमांक 183/26 दर्ज कर लिया है।

सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का कराया जा रहा पालन: पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर शहर में तेज आवाज में डीजे बजाने वालों के खिलाफ लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त एसपी संजीव मुले और सीएसपी संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम होटल और डीजे संचालकों को समझाइश दे रही है। सभी संचालकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार निर्धारित ध्वनि सीमा में ही डीजे बजाएं।

जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम में 20 घंटे की देरी, सर्वर समस्या और नई ऑनलाइन प्रक्रिया से परिजन घंटों इंतजार करते रहे

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिला अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में शवों के पोस्टमार्टम में देरी हो रही है। बुधवार शाम मृत घोषित किए गए एक युवक के शव का गुरुवार दोपहर तक पोस्टमार्टम नहीं हो सका, जिससे परिजन करीब 20 घंटे तक इंतजार करते रहे। गुरुवार सुबह सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले एक किशोर के शव का भी दोपहर तक पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। जानकारी के अनुसार, सतनबाड़ा थाना क्षेत्र के सतनबाड़ा खुर्द निवासी 35 वर्षीय युवक कोलारस में दुर्गेश जाट के कृषि फार्म पर मुनीम का काम करता था। बुधवार दोपहर वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने उसे शाम करीब 4 बजे मृत घोषित कर दिया था। इसके बावजूद उसी दिन उसका पोस्टमार्टम नहीं हो सका और गुरुवार दोपहर तक भी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई।

तकनीकी बदलाव के चलते पीएम में देरी: इसी प्रकार, गुरुवार सुबह एसपी कोठी के सामने ऑटो और बाइक की भिड़ंत में 15 वर्षीय ऋषभ रावत पिता सोबरन रावत निवासी नबाब साहब रोड, चंद्रा कॉलोनी की मृत्यु हो गई थी। सुबह करीब 7 बजे हुई इस दुर्घटना के बाद भी दोपहर 12 बजे तक ऋषभ के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया। मामले में जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में तकनीकी बदलाव हुए हैं। अब पुलिस द्वारा सीसीटीएनएस पर दर्ज एक विशिष्ट नंबर के दस्तावेज उपलब्ध कराने के बाद ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जाती है। वहीं, कोतवाली प्रभारी कृपाल सिंह राठौड़ ने जानकारी दी कि पोस्टमार्टम के लिए ऑनलाइन आवेदन भरना पड़ता है। कई बार सर्वर डाउन होने के कारण इस प्रक्रिया में देरी हो जाती है। उन्होंने बताया कि गुरुवार को होने वाले दोनों पोस्टमार्टम के दस्तावेज पूरे कर जिला अस्पताल भेज दिए गए हैं और दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

स्व-सहायता समूह की ताकत से चमकी किस्मत, साधारण गृहिणी से सफल उद्यमी बनीं सीता बाई

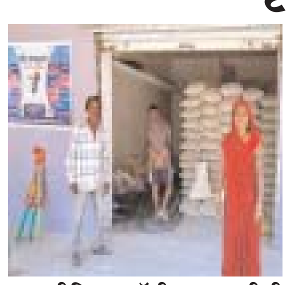

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। अगर हौसला मजबूत हो और सही मार्गदर्शन मिल जाए, तो साधारण परिस्थितियों से भी सफलता की नई राह बनाई जा सकती है। जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के संकुल केल्हारी अंतर्गत ग्राम चरवाही की निवासी श्रीमती सीता बाई ने इसी विश्वास के साथ अपने जीवन की दिशा बदल दी। एक समय साधारण गृहिणी के रूप में सीमित संसाधनों में जीवन यापन करने वाली सीता बाई आज स्व-सहायता समूह की शक्ति और 'बिहान - छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन' के सहयोग से आत्मनिर्भर बनकर गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं।

बिहान योजना से जुड़कर बदली जिंदगी: ग्राम चरवाही में शिव शंकर महिला स्व-सहायता समूह का गठन 23 जनवरी 2018 को बिहान योजना के अंतर्गत किया गया था, जिसमें 10 महिलाएं सदस्य के रूप में जुड़ीं। विकासखंड मिशन प्रबंधन इकाई के मार्गदर्शन और प्रशिक्षण से समूह की महिलाओं को आजीविका के विभिन्न अवसरों से जोड़ा गया। इसी दौरान सीता बाई भी इस समूह से जुड़ीं और प्रारंभ में समूह की अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली। समूह से जुड़ने के बाद उन्होंने यह संकल्प लिया कि वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगी और आत्मनिर्भर बनेंगी।

दुकान, मुर्गी पालन और सेंट्रिंग प्लेट से बढ़ी आय: समूह को प्राप्त आरएफ और सीआईएफ राशि में से लगभग 60 हजार रुपये की सहायता लेकर सीता बाई ने अपने गांव में एक छोटी किराना दुकान शुरू की। धीरे-धीरे दुकान चलने लगी और यह उनके लिए स्थायी आय का साधन बन गई। दुकान से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये की आय होने लगी, जिसमें करीब 6 हजार रुपये शुद्ध लाभ के रूप में प्राप्त होता है। इसके साथ ही उन्होंने मुर्गी पालन और सेंट्रिंग प्लेट का कार्य भी शुरू किया। इन गतिविधियों से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय होने लगी। इस प्रकार अपनी मेहनत और लगन से सीता बाई ने आजीविका के कई स्रोत विकसित कर लिए।

समूह की शक्ति से मिली आर्थिक मजबूती: शिव शंकर महिला स्व-सहायता समूह को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 15 हजार रुपये की आरएफ राशि, 60 हजार रुपये की सीआईएफ राशि तथा 3 लाख रुपये का बैंक ऋण प्राप्त हुआ। इसी सहयोग से समूह की महिलाओं ने अपने-अपने व्यवसाय शुरू किए और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ीं। सीता बाई ने भी अपने व्यवसाय में लगभग 80 हजार रुपये का निवेश कर मजबूत आजीविका आधार तैयार किया।

लखपति दीदी बनकर बनीं प्रेरणा: आज सीता बाई अपनी दुकान, मुर्गी पालन और सेंट्रिंग प्लेट के माध्यम से लगभग 1.60 लाख रुपये की वार्षिक आय अर्जित कर रही हैं। कभी साधारण गृहिणी के रूप में जीवन बिताने वाली सीता बाई आज अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा की मिसाल बन चुकी हैं। वे अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

सीता बाई का कहना है कि उन्होंने अपने परिवार के लिए जो सपना देखा था, वह मेहनत, आत्मविश्वास और समूह के सहयोग से आज साकार हुआ है। 'बिहान' योजना ने उन्हें न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाया, बल्कि आत्मविश्वास और सम्मान से भरा नया जीवन भी दिया। सीता बाई की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन, अवसर और सामूहिक सहयोग मिले तो वे न केवल अपने जीवन को बदल सकती हैं, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन सकती हैं।

आवास योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में आवास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के उद्देश्य से जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्रीमती अंकिता सोम ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में कम प्रगति वाले ग्राम पंचायतों के सरपंचों और सचिवों के साथ योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-26 में स्वीकृत अप्रारंभ और अपूर्ण आवासों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके साथ ही पीएम जनमन योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत 90 दिवस रोजगार से जुड़े कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। सीईओ श्रीमती अंकिता सोम ने निर्देश देते हुए कहा कि जिन हितग्राहियों को आवास की पहली किस्त प्राप्त हो चुकी है लेकिन निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, ऐसे सभी आवासों का कार्य अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के भीतर शुरू कराया जाए।

सामुदायिक पुलिसिंग में बेहतर कार्य पर पिछोर एसडीओपी सम्मानित

भोपाल में संबल-2026 कार्यक्रम में डीजीपी ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा को सामुदायिक पुलिसिंग और आमजन से मजबूत जुड़ाव के लिए भोपाल में सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम 'संबल-2026' में मध्य प्रदेश पुलिस के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने प्रदान किया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम भोपाल में 10 और 11 मार्च को आयोजित हुआ था। इसकी थीम 'सेलिब्रेटिंग सोशल वर्क इन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम' थी। कार्यक्रम में देशभर से सामाजिक कार्यकर्ता, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, न्यायपालिका के प्रतिनिधि और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सदस्य शामिल हुए।

इस दौरान महिला सुरक्षा, बाल सुरक्षा, दिव्यांगजन सुरक्षा, कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण तथा पुलिस और सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। एसडीओपी प्रशांत शर्मा को उनके क्षेत्र में सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करने, ग्राम एवं नगर रक्षा समितियों को सक्रिय करने और आम लोगों से बेहतर संवाद स्थापित करने के प्रयासों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उप पुलिस महानिरीक्षक विनीत कपूर ने इस अवसर पर कहा कि एसडीओपी प्रशांत शर्मा अपनी नियमित ड्यूटी के अतिरिक्त लगातार लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनते हैं। उनका क्षेत्र में मजबूत सोशल कनेक्ट पुलिस और जनता के बीच संबंधों को सुदृढ़ करता है। सम्मान प्राप्त करने के बाद एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि शिवपुरी जिले के पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के मार्गदर्शन और पूरी टीम के सहयोग का परिणाम है।

छोटे कदम से बड़ा बदलाव, महतारी वंदन योजना से आत्मनिर्भर बनीं राजेश्वरी परस्ते

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के भरतपुर विकासखंड के छोटे से गांव की रहने वाली राजेश्वरी परस्ते ने यह साबित कर दिया है कि यदि हौसला और अवसर साथ हों, तो छोटी शुरुआत भी आत्मनिर्भरता की मजबूत राह बना सकती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उनकी यह कहानी महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की प्रेरक मिसाल बनकर सामने आती है। जिले के ग्राम पोट्टाझोरकी की निवासी राजेश्वरी परस्ते सीमित संसाधनों के बीच अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने के लिए कुछ नया करना चाहती थीं। इसी दौरान उन्हें राज्य सरकार की महतारी वंदन योजना का लाभ मिलना शुरू हुआ।

राजेश्वरी परस्ते को इस योजना के तहत प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। उन्होंने इस राशि को नियमित रूप से बचाया और अपनी ओर से कुछ पैसे जोड़कर अपने घर पर ही एक छोटी किराना दुकान शुरू की। शुरुआत में दुकान में सीमित सामान था, लेकिन उनकी मेहनत और लगन से धीरे-धीरे दुकान चलने लगी। आज उनकी किराना दुकान गांव के लोगों के लिए दैनिक जरूरतों का एक सुविधाजनक केंद्र बन गई है। दुकान से होने वाली आय से वे अपने परिवार की आर्थिक मदद कर रही हैं और घर की जरूरतों को पूरा करने में भी सहयोग दे रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है।

कलेक्टोरेट गेट पर युवक ने की आत्मदाह की कोशिश सागर में पेट्रोल से भरी बोतल लेकर पहुंचा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के कलेक्टर कार्यालय गेट पर गुरुवार दोपहर एक युवक ने आत्मदाह करने की कोशिश की। वह पेट्रोल से भरी बोतल लेकर आया था। पुलिस ने देखा तो उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया और मोतीनगर थाने ले गई। युवक का आरोप है कि मोतीनगर पुलिस मारपीट के मामले में सुनवाई नहीं कर रही है और उनके खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज कर दी गई। सुनवाई नहीं होने के विरोध में उन्होंने यह कदम उठाया। जानकारी के अनुसार, जतिन पटवा निवासी बाघराज कॉलोनी पत्नी रचना पटवा समेत अन्य लोगों के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। जतिन पेट्रोल से भरी बोतल लेकर आए। पुलिस ने रोकने की कोशिश की, लेकिन जतिन दौड़कर भागे। पुलिस ने पीछा कर जतिन को पकड़ लिया और पेट्रोल की बोतल छीन ली।

पुलिस ने नहीं सुनी फरियाद : पत्नी रचना पटवा ने बताया कि 13 फरवरी की रात जतिन किराना दुकान से घर लौट रहे थे। कुछ कॉलोनीवासियों ने उन्हें रोककर गाली-गलौज और मारपीट की। आवाज सुनकर रचना बीच-बचाव करने गई तो उसके साथ भी मारपीट हुई। ससुर और परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हुए। घटना के बाद परिवार अस्पताल गया, जहां जतिन और ससुर को गंभीर चोटों के कारण भर्ती किया गया। मोतीनगर थाने में शिकायत करने पर भी सुनवाई नहीं हुई और उनके खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज कर दी गई। रचना ने निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

खरगोन में 25 लाख की पुलिया एक साल से अटकी सेल नदी से गुजरती है शवयात्रा, एंबुलेंस नहीं पहुंचती

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले के मनावर में सेल नदी पर पुलिया निर्माण में देरी हो रही है। 24.99 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस पुलिया को पंचायत, जनपद और जिला पंचायत स्तर पर प्रशासनिक मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ पाया है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, पुलिया न होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती। मुक्तिधाम तक जाने वाली शवयात्रा भी पहाड़ी नाले से होकर गुजरती है। स्कूली बच्चों को भी नदी पार कर स्कूल पहुंचने में काफी परेशानी होती है। पहाड़ी नदी होने के कारण बारिश के मौसम में ग्रामीणों की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं, जिससे हादसों का डर बना रहता है।

25 लाख की पुलिया स्वीकृत काम साल भर से अटका : रामरतन कटारे, देवीसिंह वसुनिया, राहुल खंडेलवाल और मुकाती वसुनिया ने बताया कि पंचायत के प्रस्ताव के बाद जनपद और जिला पंचायत ने अधोसंरचनात्मक मद से लगभग 25 लाख रुपये की पुलिया स्वीकृत की थी। हालांकि, एक साल बीत जाने के बाद भी काम शुरू नहीं हो पाया है। ग्रामीणों ने कलेक्टर और जिला पंचायत कार्यालय में कई बार इस संबंध में मांग उठाई है। पुलिया निर्माण की मांग करने वालों में शामिल 65 वर्षीय गेंदालाल नाभिया का कुछ महीने पहले निधन हो गया। दुर्भाग्यवश, उनकी शवयात्रा भी उसी पहाड़ी नदी के बीच से होकर मुक्तिधाम तक पहुंची थी। इस मामले में मंडलेश्वर की एसडीएम पूर्वा मंडलोई ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिया निर्माण की कार्रवाई किस स्तर पर अटकी हुई है, इसकी जानकारी लेकर काम जल्द पूरा कराया जाएगा।

बुरहानपुर में मरीज के पेट से 7 किलो ट्यूमर निकाला सरकारी अस्पताल में 2 घंटे चला ऑपरेशन

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के स्व. नंदकुमारसिंह चौहान जिला चिकित्सालय में गुरुवार को डॉक्टरों ने 23 वर्षीय महिला के पेट से 7 किलो का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला है। सिंधखेड़ा निवासी मरीज सरस्वती बाई का यह जटिल ऑपरेशन करीब 2 घंटे तक चला। फिलहाल मरीज की स्थिति संतोषजनक है और उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। इस जटिल ऑपरेशन को शल्य चिकित्सक डॉ. दर्पण टोके और स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. रेहाना बोहरा की टीम ने सावधानीपूर्वक संपन्न किया। इस दौरान नर्सिंग ऑफिसर पल्लवी साहु व दुर्गा और ओ.टी. टेक्निशियन हिमांशु बावरे व अभय सिंह भी टीम में शामिल रहे। डॉक्टरों ने बताया कि मरीज के पेट से इतनी बड़ी गांठ को निकालना एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया थी।

आधुनिक सुविधाओं और समन्वय से मिली सफलता : डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और टीम के बेहतर समन्वय के कारण यह जटिल ऑपरेशन सफलतापूर्वक संभव हो पाया। सिविल सर्जन डॉ. दर्पण टोके ने बताया कि जिला अस्पताल में इस तरह के ऑपरेशन पहले भी हुए हैं। हालांकि, यह विशेष मामला अपनी जटिलता के कारण महत्वपूर्ण था।

मरीज की हो रही लगातार निगरानी : अस्पताल प्रबंधन ने जानकारी दी है कि ऑपरेशन के बाद सरस्वती बाई को डॉक्टरों की गहन निगरानी में रखा गया है। मरीज की स्थिति संतोषजनक है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए अस्पताल में आवश्यक उपचार जारी है।

रतलाम में पारा 40 डिग्री पहुंचा: मार्च के दूसरे हफ्ते में ही तेज गर्मी

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। मार्च के दूसरे सप्ताह से गर्मी ने अपना ओर तेज रुप दिखाना शुरू कर दिया है। बुधवार को रतलाम में पारा सबसे ज्यादा 40 डिग्री पर पहुंच गया। गर्मी का असर तेज होते ही स्वास्थ्य विभाग ने गर्मी से बचाव को लेकर एडवाइजरी जारी कर दी है। पिछले 24 घंटे में रतलाम शहर में दिन के तापमान में 1.2 डिग्री पारे का उछाल आया है। मौसम विभाग की माने तो 15 मार्च से गर्मी और तेज अपना रूप दिखाएगी। मंगलवार को दिन का तापमान 38.8 डिग्री दर्ज हुआ था। जबकि रात का तापमान 18.5 डिग्री दर्ज हुआ। वहीं बुधवार को दिन का पारा 40.0 डिग्री पर जा पहुंचा। जबकि रात का तापमान 19.2 डिग्री दर्ज हुआ। गर्मी के तेज तेवर के कारण दिन में सड़के सुनसान नजर आ रही है। सड़कों पर आवजाही भी कम है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में हवा की दिशा उत्तर-पूर्व से अब पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हो गई है। वहीं, हवा में नमी बहुत कम है। साथ ही रेगिस्तानी

इलाकों से मप्र पहुंचती है। यह अपने साथ गर्मी भी लाती है। मौसम विभाग ने 15 मार्च के बाद मौसम में बदलाव होने का अनुमान जताया है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से पूर्वी-दक्षिणी हिस्से में हल्की बूंदाबांदी और बादल छाए रह सकते हैं।

मार्च में सर्दी-जुकाम, एलर्जी का खतरा : मार्च से जुलाई तक तापमान में बढ़ोतरी होने की संभावना को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संध्या बेलसरे ने गर्मी से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टरों? की मानें तो मार्च का यही मौसम ?सबसे ज्यादा बीमारियां फैलाता है। इस महीने दिन में तो गर्मी बढ़ जाती है, लेकिन रात और सुबह हल्की ठंड रहती है। कई बार लोग दिन की गर्मी से बचने के लिए हल्के कपड़े पहन लेते हैं। वहीं, कोल्ड्रिंक्स समेत शीतल पेय पदार्थों का भी सेवन करते हैं। इससे सर्दी-जुकाम एलर्जी? और अस्थमा के मरीज बढ़ते हैं। ?सुबह और देर रात ठंडी हवा से ?बचना जरूरी है। खासकर बच्चों और ?बुजुर्गों को।?

पिछले पांच दिन के तापमान पर एक नजर : दिनांक अधिकतम तापमान 11 मार्च 40.0 19.2, 10 मार्च 38.8 18.5, 9 मार्च 39.2 18.6, 8 मार्च 39.0 17, 7 मार्च 38.6 17.6,

गर्मी से बचाव के लिए उपाय अपनाएं : अत्यधिक गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त पानी पिए, भले ही आपको प्यास न लगी हो। यात्रा करते समय पीने का पानी अपने साथ रखें। ओआरएस का उपयोग करें। अपने घर के बने पेय जैसे नींबू पानी छाछ, लस्सी फलों के रस में थोड़ा नमक मिलाकर पिये। उच्च जल सामग्री वाले मौसमी फल और सब्जियां खाएं जैसे तरबूज, खरबूजा, संतरा, अंगूर अनानास, ककड़ी, खीरा और सलाद पत्ते का उपयोग करें। ढीले, सूती और हल्के रंग के कपड़े पहने। सीधे धूप के संपर्क में आने पर अपने सर को ढकने के लिए छाता, टोपी, तोलिया या अन्य पारंपरिक कपड़ों का उपयोग करें। धूप में बाहर निकलते समय जूते या चप्पल पहने। हवादार और ठंडी जगह पर रहे। दोपहर 12 से 3 बजे तक धूप में बाहर निकलने से बचे। दोपहर में बाहर होने पर भारी मेहनत वाले काम ना करें। खाना पकाने के क्षेत्र को हवादार रखने के लिए दरवाजे और खिड़कियां खोलें।

डशराब ,चाय , कॉफी और अत्यधिक चीनी वाले कोल्ड ड्रिंक से बचे, यह शरीर से तरल पदार्थ कम करते हैं और पेट में मरोड़ पैदा कर सकते हैं। अधिक प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी खाना ना खाएं। बच्चों या पालतू जानवरों को खड़ी गाड़ी में ना छोड़े वाहन के अंदर का तापमान खतरनाक हो सकता है।

पिता को जेल से छुड़वाकर लाए बेटे ने खुदकुशी की

खंडवा में पिता को शराब पीने से मना किया तो बोला- मर जा बेटे ने सल्फास गटक लिया

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के ग्राम हरसवाड़ा में गुरुवार सुबह 22 वर्षीय प्रवीण मंडलोई (गुर्जर) ने जहर (सल्फास) खाकर आत्महत्या कर ली। दोपहर को उसकी मौत हो गई। युवक अपने पिता को चोरी के आरोप में जेल से जमानत पर छुड़वाकर लाया था। परिवार वाले उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। मृतक प्रवीण के मामा भगवान गुर्जर ने बताया कि प्रवीण इंदौर में दूध डेयरी पर नौकरी करता था। उसके पिता कैलाश को गांव के कोटवार के घर चोरी के आरोप में पुलिस पकड़कर ले गई थी और जेल में डाल दिया था। इसकी जानकारी मिलने पर

प्रवीण इंदौर से गांव आया। परिवार के लोगों ने सलाह दी कि जमानत करवा लो, शायद वह सुधर जाए। इसके बाद प्रवीण ने बुधवार को 10 हजार रुपए खर्च कर पिता की जमानत कराई।

पिता ने कहा- मैं तो शराब पीना नहीं छोडूंगा : शाम को जब प्रवीण पिता को लेकर गांव पहुंचा, तो पिता ने गांव के बाहर ही शराब खरीदी और पीने बैठ गया। बेटे ने समझाया कि बहुत बदनामी हो गई है, अब शराब छोड़ दोगे तो चोरी वगैरह नहीं करोगे। पिता नहीं माना, तो बेटे ने कहा कि तुम शराब नहीं छोड़ोगे तो मैं मर जाऊंगा। इस पर पिता कैलाश ने कहा कि, 'जा तू मर जा, मैं तो शराब पीना नहीं छोडूंगा।' इसी बात से आहत होकर प्रवीण ने जान दे दी।

कोरोना काल में हो चुका है मां का देहांत : रिश्तेदारों के मुताबिक, प्रवीण के परिवार में केवल एक बहन और पिता ही हैं। कोरोना काल के दौरान उसकी मां का देहांत हो चुका है। प्रवीण ही पूरे परिवार की खेती-बाड़ी संभालता था। इस साल खेत में गेहूं और चने की फसल लगी हुई थी।

फसल कटाई के लिए रुका और उठा लिया कदम : फसल पकने के बाद प्रवीण इंदौर चला गया था, ताकि कुछ दिन काम करके कर्जा चुका सके। वह पिता की जमानत लेकर उन्हें जेल से छुड़वाकर घर लाया था और बुधवार रात को ही वापस इंदौर जाने लगा था। परिवार वाले उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फिलहाल शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। मृतक प्रवीण के मामा भगवान गुर्जर ने बताया कि प्रवीण इंदौर में दूध डेयरी पर नौकरी करता था। उसके पिता कैलाश को गांव के कोटवार के घर चोरी के आरोप में पुलिस पकड़कर ले गई थी और जेल में डाल दिया था।

लेकिन परिवार के लोगों ने उसे यह कहकर रोक लिया कि गेहूं-चने की फसल कटवा ले, उपज बेचने के बाद चले जाना। वह फसल कटाई के लिए रुक गया और सुबह यह कदम उठा लिया।

महिलाएं रोज 2 किमी दूर से ला रहीं पानी

मीडिया ऑडीटर, सलामतपुर (निप्र)। सांची विकासखंड के ग्राम बांसिया में नल-जल योजना का बोरवेल सूख जाने से ग्रामीणों के सामने गंभीर पेयजल संकट खड़ा हो गया है। मार्च महीने की शुरुआत में ही जलस्रोत सूख जाने के कारण गांव के लोगों को पीने के पानी के लिए करीब दो किलोमीटर दूर खेतों तक जाना पड़ रहा है। गर्मी का मौसम अभी पूरी तरह शुरू भी नहीं हुआ है, लेकिन इससे पहले ही गांव में पानी की समस्या विकराल रूप लेने लगी है। महिलाओं और बच्चों को प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर पानी लाना पड़ रहा है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। समस्या को लेकर जनपद सदस्य प्रतिनिधि चरण सिंह ग्रामीणों के साथ रायसेन कलेक्ट्रेट पहुंचे और जनसुनवाई में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर गांव में नए बोरवेल खुदवाने तथा पानी की टंकी निर्माण कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि समस्या का निराकरण नहीं हुआ तो आगे आंदोलन करना पड़ेगा। महिलाओं को पानी के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही चरण सिंह, जनपद सदस्य प्रतिनिधि ने बताया कि बांसिया गांव में नल-जल योजना का बोर सूख गया है। गर्मी की शुरुआत में ही महिलाओं को पानी के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। पाइप लाइन कई जगह से लीकेज भी है और पीने का पानी किसानों के खेतों से लाना पड़ रहा है।

मंदसौर की झील गुप्ता बनीं सिविल जज न्यायिक सेवा परीक्षा में 11वां स्थान मिला

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के लिए गौरव का क्षण है। शहर की बेटी झील गुप्ता ने गुजरात में आयोजित सिविल जज (ज्यूडिशियल सर्विस) परीक्षा में 11वां स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ पूरे शहर में खुशी और गर्व का माहौल है। झील गुप्ता, जिला सहकारी बैंक मंदसौर शाखा के शाखा प्रबंधक राजेंद्र लक्ष्मीनारायण गुप्ता की पुत्री हैं। जैसे ही उनके चयन और रैंक की जानकारी सामने आई, परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और शहरवासियों ने उन्हें बधाइयां दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं कीं।

मेहनत, अनुशासन से मिलती है सफलता : झील गुप्ता ने बताया कि इस सफलता के लिए उन्होंने लंबे समय तक लगातार मेहनत, अनुशासन और लगन के

साथ तैयारी की। तैयारी के दौरान कई चुनौतियां भी सामने आई, लेकिन परिवार और शिक्षकों के सहयोग तथा अपने आत्मविश्वास से उन्होंने सभी कठिनाइयों को पार किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, शिक्षकों और परिवार के सहयोग को दिया। झील गुप्ता, जिला सहकारी बैंक मंदसौर शाखा के शाखा प्रबंधक राजेंद्र लक्ष्मीनारायण गुप्ता की पुत्री हैं। जैसे ही उनके चयन और रैंक की जानकारी सामने आई, परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और शहरवासियों ने उन्हें बधाइयां दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं कीं। झील ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने नियमित पढ़ाई, बेहतर समय प्रबंधन और विषयों को गहराई से समझने पर खास ध्यान दिया। युवाओं को संदेश देते हुए झील गुप्ता ने कहा कि जो छात्र सिविल जज बनने का सपना देखते हैं, उन्हें धैर्य, मेहनत और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करनी चाहिए।

असफलता से घबराने के बजाय उससे सीखकर आगे बढ़ना ही सफलता की कुंजी है। भविष्य की योजनाओं को लेकर झील गुप्ता ने कहा कि जज के रूप में उनका लक्ष्य न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाना और आम लोगों को शीघ्र व निष्पक्ष न्याय दिलाने की दिशा में काम करना है। उनकी इस उपलब्धि पर शहर के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने भी शुभकामनाएं दी हैं।

इजराइल-ईरान की जंग से छोटे दुकानदारों को बड़ी परेशानी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम, (निप्र)। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रही जंग के कारण देशभर में एलपीजी गैस की भारी किल्लत हो गई है। इसका सीधा असर नर्मदापुरम में भी देखने को मिल रहा है, जहां व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की सप्लाई बंद होने से छोटे दुकानदारों को अपनी दुकानें बंद करनी पड़ रही हैं।कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई रुकने का सबसे ज्यादा असर सड़क किनारे ठेले लगाने वालों और छोटे दुकानदारों पर पड़ा है।शहर में नेहरू पार्क के पास स्थित चौपाटी पर 25 से ज्यादा दुकानें संचालित होती हैं। गुरुवार को इनमें से 5 ठेले केवल इसलिए बंद रहे क्योंकि उनके पास गैस सिलेंडर खत्म हो गया था। जिन दुकानदारों के पास फिलहाल गैस उपलब्ध है, वे ही अपनी दुकान चला पा रहे हैं। हालांकि, उनका कहना है कि दो-तीन दिन में उन्हें भी काम बंद करना पड़ेगा।

दुकानदारों ने कहा- एजेंसी ने गैस देने से किया मना : दुकानदार सुजीत चौरसिया ने बताया, 'होली और रंगपंचमी पर दुकान बंद थी, इसलिए सिलेंडर में गैस बची रह गई। अब दो-तीन दिन और सिलेंडर चलेगा उसके बाद क्या करेंगे पता नहीं।' उन्होंने आगे बताया कि वे गैस लेने के लिए एजेंसी पर गए थे, लेकिन उन्होंने नया सिलेंडर देने से साफ मना कर दिया। छोले-चाट विक्रेता प्रमोद प्रजापति ने बताया, 'मेरे पास सिलेंडर खत्म हो गया। नया सिलेंडर भी नहीं मिला रहा है। इसलिए दुकान को बंद करना पड़ा।' प्रमोद ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा, 'बीते 10 साल से दुकान चला रहा हूं लेकिन ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी।'

लकड़ी और कोयले की डिमांड बढ़ने की संभावना : व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति बंद होने से अब कुछ होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को मजबूरी में लकड़ी और कोयले का उपयोग करना पड़ेगा। यही कारण है कि आने वाले दिनों में बाजार में जलाऊ लकड़ी और कोयले की डिमांड बढ़ने की पूरी संभावना है। इस संभावित मांग को देखते हुए शहर के लकड़ी और कोयला कारोबारियों ने अपनी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं।

कोयला 25 और जलाऊ लकड़ी 10 रुपए किलो : कोयला कारोबारी स्वर्ण सिंह ने बताया, 'कोयले और जलाऊ लकड़ी की डिमांड बढ़ सकती है। इस वजह से स्टाक को व्यवस्थित कर रहे हैं।'

चारा मशीन में फंसा 6 साल की बच्ची का हाथ कटकर अलग हुई उंगलीकी छतरपुर जिला अस्पताल में सर्जरी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में गुरुवार को चारा काटने वाली मशीन की चपेट में आने से एक 6 वर्षीय बच्ची की उंगली कट गई। गंभीर हालत में बच्ची को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने सर्जरी कर कटी हुई उंगली को जोड़ दिया है। यह घटना महाराजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नैगुवां की है। यहां रहने वाले अनूप सिंह यादव की 6 वर्षीय बेटी आराध्या यादव खेत में खेल रही थी। खेलते समय वह पास में रखी चारा काटने वाली कटिया मशीन के पास पहुंच गई।

इसी दौरान मशीन का लॉक अचानक खुल गया और उसका पहिया घूमने लगा। अचानक बच्ची का हाथ मशीन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी एक उंगली

कटकर अलग हो गई।

जिला अस्पताल में उंगली को जोड़ने सर्जरी हुई : घटना के बाद परिजन घबरा गए और कटी हुई उंगली को लेकर तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बच्ची को जिला अस्पताल छतरपुर रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल में सर्जन की टीम ने तत्काल ऑपरेशन कर कटी हुई उंगली को जोड़ने का प्रयास किया। बच्ची को फिलहाल अस्पताल में भर्ती कर निगरानी में रखा गया है। जिला अस्पताल के सर्जन डॉ. मनोज चौधरी के मुताबिक, बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर है। उंगली पूरी तरह से जुड़ पाएगी या नहीं, यह अगले तीन से चार दिन में ही स्पष्ट हो पाएगा। अगर इस दौरान उंगली काली नहीं पड़ती है, तो उसके सफलतापूर्वक जुड़ने की संभावना बनी रहेगी।

पॉलीथिन में बर्फ के साथ सुरक्षित लाना जरूरी : डॉ. चौधरी ने यह भी बताया कि यदि कटी हुई उंगली को स्वच्छ तरीके से पॉलीथिन में पैक कर बर्फ में सुरक्षित रखकर लाया जाता, तो उसे जोड़ने की संभावना काफी अधिक होती है। आमतौर पर ऐसे मामलों में अंग को ठंडे तापमान में रखने से ऊतकों के क्षतिग्रस्त होने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और सर्जरी सफल होने की संभावना बढ़ जाती है।

उन्होंने बताया कि इस मामले में परिजन उंगली को खुली अवस्था में लेकर अस्पताल पहुंचे थे, जिससे ऊतकों के डेमेज होने की संभावना बढ़ जाती है। शरीर से अलग होने के बाद अंग में नेक्रोसिस यानी ऊतकों के नष्ट होने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसलिए ऐसे मामलों में अंग को साफ पॉलीथिन में रखकर बर्फ के साथ सुरक्षित लाना जरूरी होता है। फिलहाल डॉक्टरों की टीम बच्ची की लगातार निगरानी कर रही है और अगले कुछ दिन उसकी स्थिति पर नजर रखी जाएगी।

भारत को पहली जीत दिलाने वाले कप्तान

...जिनके नाम पर विजय हजारे ट्रॉफी

नई दिल्ली, एजेंसी। विजय सैमुअल हजारे की गिनती भारत के महान बल्लेबाजों में होती है। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और भारतीय क्रिकेट के शुरुआती दौर में टीम को मजबूती दी। उनके सम्मान में भारत के घरेलू वनडे टूर्नामेंट का नाम रखा गया है। विजय हजारे का जन्म 11 मार्च 1915 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। ग्रामीण इलाके में विजय हजारे को ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिन गेंदबाज क्लैरी ग्रिमेट ने कोचिंग दी थी। 1934/35 में फर्स्ट क्लास करियर

की शुरुआत करने वाले विजय हजार ने साल 1946 में इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। 31 साल की उम्र में भारत की ओर से पहला मैच खेलते हुए विजय हजारे ने 31 रन और 34 रन की पारियां खेली थीं।

विजय हजारे भारत की ओर से 1,000 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी थे। वह टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक (116 और 145 रन) लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी भी हैं। यह कारनामा उन्होंने जनवरी 1948 में एडिलेड के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध किया था। वह प्रथम श्रेणी में तिहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय भी हैं, जिन्होंने यह कारनामा जनवरी 1940 में महाराष्ट्र की तरफ से खेलते हुए बड़ौदा के खिलाफ किया था।

प्रथम श्रेणी में 50 शतक लगाने वाले पहले भारतीय विजय हजार ने भारत की तरफ से 30 टेस्ट मैच खेले। इस दौरान 52 पारियों में 47.65 की औसत के साथ 2,192 रन बनाए, जिसमें 7 शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। उनकी कप्तानी में ही आजाद भारत ने पहली टेस्ट जीत हासिल की थी। यह मैच साल 1952 में खेला गया, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने पारी और 8 रन से मुकाबला अपने नाम किया था।

दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ हेड कोच गौतम गंभीर का जोरदार स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने रविवार को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया। भारतीय टीम की ऐतिहासिक जीत के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर हेड कोच गौतम गंभीर का जोरदार स्वागत हुआ। गौतम गंभीर के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर फैंस का हुजूम उमड़ा। गंभीर का माला पहनाकर स्वागत किया गया। गंभीर अपनी पत्नी और दोनों बेटियों के साथ एयरपोर्ट पर नजर आए। कड़ी सुरक्षा के बीच गंभीर को उनकी गाड़ी तक पहुंचाया गया, जहां से वह अपने घर के लिए रवाना हो गया। गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद टीम इंडिया ने यह दूसरी आईसीसी ट्रॉफी जीती है। इससे पहले साल 2025 में भारतीय टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 255 रन बनाए। टीम की ओर से संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 89 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी के दौरान 5 चौके और 8 छक्के लगाए। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में 52 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। ईशान किशन ने 25 गेंदों में 54 रनों की दमदार पारी खेली। अंतिम ओवरों में शिवम दुबे ने महज 8 गेंदों में 26 रन बनाए, जिसके दम पर भारतीय टीम टी20 विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले का सबसे बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही।

256 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 19 ओवर में 159 रन बनाकर ढेर हो गई। कीवी टीम की तरफ से टिम सीफर्ट ने सर्वाधिक 52 रन बनाए, जबकि मिचेल सैंटनर ने 43 रनों का योगदान दिया। गेंदबाजी में भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 4 बड़े विकेट निकाले। भारत घरेलू सरजमीं पर टी20 विश्व कप के खिताब को जीतने वाला पहला देश बना। इसके साथ ही सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप को जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बनी।

क्रिकेटर अभिषेक शर्मा

शून्य के संघर्ष से विश्व कप फाइनल के तूफानी अर्धशतक तक का सफर

चंडीगढ़, एजेंसी। जब टी20 विश्व कप के शुरुआती मैचों में अभिषेक लगातार तीन बार शून्य पर आउट हुए, तो चारों तरफ उनकी तकनीक पर सवाल उठने लगे थे।

लेकिन ठीक फाइनल से पहले, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मिली एक 'जादुई सीख' ने पूरा खेल बदल दिया। पिता की वो सीख: 'घबराना नहीं, तुम नंबर-1 हो' अभिषेक के पिता और कोच राज कुमार शर्मा ने सेमीफाइनल की विफलता के बाद अपने बेटे पर दबाव बनाने के बजाय उसे उसकी असली ताकत याद दिलाई।

'मैंने उससे बस इतना कहा– हर खिलाड़ी के करियर में उतार-चढ़ाव आते हैं। तुम दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज हो, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखो।'

फाइनल में 'सिक्सर किंग' का अवतार

फाइनल के दबाव भरे मैच में अभिषेक ने वही किया जिसके लिए वे जाने जाते हैं:

- **सबसे तेज अर्धशतक:** सिर्फ 21 गेंदों में टी20 विश्व कप नॉकआउट का सबसे तेज पचासा जड़ दिया।
- **तेज गेंदबाजों पर प्रहार:** उनके 50 रनों में से 48 रन तेज गेंदबाजों के खिलाफ आए।
- **स्वाभाविक खेल:** स्पिन के खिलाफ चुनौतियों के बावजूद, उन्होंने निडर होकर अपना नेचुरल गेम खेला।
- सफलता के पीछे का 'त्रिकोण' (युवराज, गंभीर और दिग्गज)अभिषेक की इस सफलता में तीन प्रमुख स्तंभों का बड़ा योगदान रहा है:
- **युवराज सिंह का साथ:** 'सिक्सर किंग' युवराज सिंह ने कठिन दौर में लगभग रोज फोन कर अभिषेक की तकनीक और रणनीति पर चर्चा की।
- **गौतम गंभीर का भरोसा:** टीम के हेड कोच गंभीर ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहने और निडर होकर खेलने का हौसला दिया।
- **दिग्गजों का अध्ययन:** बचपन से ही अभिषेक ने सचिन तेंदुलकर, रोहित शर्मा और युवराज सिंह की बल्लेबाजी का घंटों अध्ययन कर अपनी तकनीक को निखारा है।
- **जश्न का तरीका:** अमृतसर की गलियों से स्वर्ण मंदिर तक अभिषेक के पिता ने बताया कि जब यह चैंपियन खिलाड़ी अमृतसर लौटेगा, तो जश्न की शुरुआत शोर-शराबे से नहीं बल्कि आस्था से होगी: सबसे पहले स्वर्ण मंदिर (हरमंदिर साहिब) में मत्था टेकेंगे। इसके बाद गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह शहीद और अन्य पवित्र स्थलों पर जाकर शुक्रिया अदा करेंगे।

आईसीसी टी20 रैंकिंग: अभिषेक शर्मा शीर्ष पर बरकरार

ईशान किशन और संजू सैमसन ने लगाई लंबी छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने टी20 बल्लेबाजों की नई रैंकिंग जारी कर दी है। बाएं हाथ के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपना पहला स्थान बरकरार रखने में कामयाब रहे हैं। ईशान किशन ने अपने करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की है। आईसीसी द्वारा बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर बरकरार हैं। टी20 विश्व कप 2026 में खराब फॉर्म से गुजरे अभिषेक ने फाइनल में 21 गेंद पर 52 रन की पारी खेली थी। इसी पारी की बदौलत वह अपना शीर्ष स्थान बचाए रखने में कामयाब रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 मैचों की 9 पारियों में 317 रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को 2 स्थान का फायदा हुआ है। वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ टी20 रैंकिंग है। ईशान ने भी विश्व कप फाइनल में 25 गेंदों पर 54 रन की पारी खेली थी।

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह तीसरे स्थान पर चले गए हैं। इंग्लैंड के फिल साल्ट एक स्थान के नुकसान के साथ चौथे स्थान पर चले गए हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज टिम साइफर्ट को 4 स्थान का फायदा हुआ है। वह छठे स्थान पर हैं। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा 1 स्थान के नुकसान के साथ सातवें और डेवाल्ड ब्रेविस आठवें स्थान पर हैं। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का विश्व कप बल्ले से अच्छा नहीं रहा था। उन्हें 2 स्थान का नुकसान हुआ है। वह नौवें स्थान पर हैं, जबकि जोस बटलर एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। बटलर का टी20 विश्व कप भी बेहद निराशाजनक रहा था। इसके अलावा, इंग्लैंड के लिए भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में शतक लगाने वाले युवा बल्लेबाज जैकब बेथल को 17 स्थान का फायदा हुआ है। वह 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं। फिन एलन 7 स्थान की छलांग लगाते हुए 20वें और भारत के विश्व कप हीरो संजू सैमसन 18 स्थान की छलांग लगाते हुए 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

मिडिल ईस्ट संकट के कारण

अफगानिस्तान-श्रीलंका सीरीज स्थगित: एसीबी

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को बताया कि अफगानिस्तान और श्रीलंका के बीच 13 मार्च से यूएई में शुरू होने वाली द्विपक्षीय सीरीज स्थगित कर दी गई है। सीरीज मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात के कारण फ्लाइट पर लगी रोक और अन्य लॉजिस्टिक समस्याओं की वजह से स्थगित की गई है। सीरीज अब 2026 के अंत में खेली जा सकती है। इस सीरीज के तहत अफगानिस्तान पहली बार श्रीलंका की मेजबानी करने वाला था। 13, 15 और 17 मार्च को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में तीन टी20 मैच खेले जाने थे। इसके बाद 20, 22 और 25 मार्च को तीन वनडे मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना था। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा, 'एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मंजूरी मिलने के बाद, दोनों जगहों पर मैच आयोजित करने की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। मार्च की शुरुआत में, अचानक हुई घटनाओं की वजह से लॉजिस्टिक दिक्कतें पैदा हो गईं, जिससे सीरीज के लिए यात्रा प्रबंधन और अन्य योजनाओं पर असर पड़ा।'

बोर्ड ने कहा, 'हालात को संभालने के लिए, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड, शारजाह क्रिकेट स्टेडियम और दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम समेत मुख्य स्टेकहोल्डर्स के साथ कई बार बातचीत की। 4 मार्च को एक संयुक्त बैठक हुई, जिसमें हालात पर नजर रखने और 6 मार्च तक फिर से जांच करने की सलाह दी गई। 7 मार्च को हुई अगली मीटिंग में आखिरी फैसला लेने से पहले 9 मार्च तक इंतजार करने की सलाह दी गई।'

एसीबी ने यह भी कहा कि उन्होंने इस पूरे प्रकिया की श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को जानकारी दी थी। सीरीज को स्थगित करने का फैसला श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड की सहमति से लिया गया। सीरीज के लिए नई तारीखों की घोषणा जल्द की जाएगी।

बोर्ड ने कहा, 'एसीबी जल्द से जल्द सही मौके पर सीरीज कराने और श्रीलंका क्रिकेट के साथ अपने मजबूत क्रिकेट रिश्ते को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।'

आज शुरुआती 20 दिनों का आईपीएल शेड्यूल जारी करेगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) 12 मार्च तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरुआती 20 दिनों का शेड्यूल जारी करेगा। यह जानकारी बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने दी है। आईपीएल का 19वां सीजन 28 मार्च से 31 मई के बीच खेला जाना है। देवजीत सैकिया ने मंगलवार को आईएएनएस से कहा, 'हम 12 मार्च तक आईपीएल 2026 का शेड्यूल जारी करने की योजना बना रहे हैं। फिलहाल, हम आईपीएल के पहले 20 दिनों का शेड्यूल जारी करने जा रहे हैं।' ऐसा समझा जा रहा है कि बीसीसीआई पश्चिम बंगाल, असम और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों के साथ किसी भी तरह के टकराव की स्थिति से बचना चाहता है। ऐसे में टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों का शेड्यूल बाद में जारी किया जाएगा। इसके बावजूद, टीमों ने अपने प्री-सीजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर

किंग्स ने 1 मार्च को नवलूर स्थित अपने हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास शुरू कर दिया है। वहीं, मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 10 फरवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में एक छोटा-सा तैयारी शिविर आयोजित किया था, जबकि 2022 की चैंपियन गुजरात टाइटंस ने नाथद्वारा के मिराज इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दो बार अभ्यास सत्र आयोजित किए थे। पंजाब किंग्स ने फरवरी की शुरुआत में अबू धाबी में अभ्यास किया था। फिलहाल टीम के खिलाड़ी धर्मशाला में अभ्यास शिविर में हिस्सा ले रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने 1 मार्च को अपने घरेलू खिलाड़ियों के साथ अपना शिविर शुरू किया था। पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस भी आगामी सीजन के लिए अपना अभ्यास शुरू कर चुकी है।

कोलकाता नाइट राइडर्स 18 मार्च को अपना प्री-सीजन शिविर शुरू करेगी, जबकि राजस्थान रॉयल्स के 15 मार्च से जयपुर में एक अभ्यास शिविर के लिए इकट्ठा होने की उम्मीद है। दिल्ली कैपिटल्स ने हाल ही में हैदराबाद में एक शिविर आयोजित किया था। अब इस टीम के दिल्ली में भी एक शिविर आयोजित करने की उम्मीद है। इस बीच लखनऊ सुपर जायंट्स ने लखनऊ में एक तैयारी सत्र आयोजित किया था।

टी20 वर्ल्ड कप- आईसीसी ने घोषित की प्राइज मनी

भारत को मिलेंगे 2.63 मिलियन डॉलर, सभी टीमें मालामाल

दुबई, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए फाइनल प्राइज मनी घोषित कर दी है। न्यूजीलैंड को खिताबी मैच में 96 रन से मात देने के बाद भारत को 26,39,423 अमेरिकी डॉलर बतौर प्राइज मनी मिलेंगे। रनर-अप न्यूजीलैंड को 14,22,692 डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। इस बार की प्राइज मनी साल 2024 में घोषित आईसीसी टूर्नामेंट प्राइज मनी में इजाफे का दिखाती है। सेमीफाइनल गंवाने वाली साउथ अफ्रीकी टीम को 10,05,577 डॉलर, जबकि इंग्लैंड की टीम को 9,74,423 डॉलर प्राइज मनी के तौर पर मिलेंगे। चार टीमें, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान, जिम्बाब्वे, श्रीलंका, जो सुपर 8 में पहुंचीं लेकिन नॉकआउट में आगे नहीं बढ़ पाईं, उन्हें क्रमशः 5,38,269 डॉलर, 5,22,692 डॉलर, 4,91,538 डॉलर और 4,75,962 डॉलर मिलेंगे।

इस बीच, जो टीमें सुपर 8 स्टेज तक पहुंचीं लेकिन आगे नहीं बढ़ पाईं, जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और यूएसए शामिल हैं, उनमें से प्रत्येक टीम को 3,09,808 डॉलर दिए जाएंगे।

शेष प्रतिभागियों में स्कॉटलैंड को 2,78,654 डॉलर और आयरलैंड को 2,71,731 डॉलर मिलेंगे। इस बीच, इटली, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड अरब अमीरात और नेपाल को 2,56,154 डॉलर देने की घोषणा की गई है।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले स्टेज में बाहर हो होने वाली कनाडा, नामीबिया और ओमान की टीमों को 2,25,000 डॉलर का बेस पार्टिसिपेशन पेमेंट मिलेगा।

आईसीसी ने बताया है कि यह आंकड़े ग्रुप स्टेज, सुपर 8, सेमीफाइनल और फाइनल में टीमों की ओर से कमाए गए ग्रॉस प्राइज मनी को दर्शाते हैं। इन अमाउंट में बेस पार्टिसिपेशन पेमेंट, मैच जीतने पर बोनस और टूर्नामेंट स्टेज में आगे बढ़ने पर मिलने वाले रिवॉर्ड शामिल हैं। हालांकि, गवर्निंग बॉडी ने स्पष्ट किया कि ये आंकड़े 'किसी भी लागू टैक्स कम्प्लायंस या डिडक्शन से पहले' कैलकुलेट किए गए हैं। रिकॉर्ड प्राइज पूल प्रत्येक टीम को मिलने वाले बेस पार्टिसिपेशन पेमेंट (2,25,000 अमेरिकी डॉलर), फाइनल टीम प्लेसमेंट, विन बोनस और टूर्नामेंट के हर स्टेज में प्रोग्रेस को दर्शाता है।

सतना में अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई

आठ वाहन जब्त बिना दस्तावेज रेत-गिट्टी और मिट्टी से लदी थी गाड़ी कलेक्टर न्यायालय में बनेगा केस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में खनिज विभाग ने बुधवार को अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में जांच के दौरान रेत, गिट्टी और मिट्टी से लदे कुल आठ वाहनों को जब्त किया। जब्त किए गए सभी वाहनों को नागौद, सिंहपुर और रैगांव थाना क्षेत्रों में खड़ा कराया गया है। नागौद और सिंहपुर क्षेत्रों में हुई जांच जानकारी के अनुसार खनिज निरीक्षक राकेश देशमुख के नेतृत्व में टीम ने नागौद और सिंहपुर क्षेत्रों में वाहनों की जांच की। यह कार्रवाई अवैध खनिज परिवहन को रोकने के उद्देश्य से की गई थी। जांच के दौरान कई वाहन बिना वैध दस्तावेजों के खनिज परिवहन करते पाए गए। रेत से लदे तीन वाहन जब्त कार्रवाई के दौरान रेत से लदे तीन वाहन जब्त किए गए। इनमें एमपी 19 जेडएफ 1761, एमपी 19 एचए 5196 और एक बिना नंबर का वाहन शामिल है। इन तीनों वाहनों को जब्त कर रैगांव थाना में खड़ा कराया गया है। इसी तरह गिट्टी से लदे दो वाहन एमपी 19 एचए 4255 और एमपी 53 एचए 1694 को जब्त किया गया। इसके अलावा गिट्टी से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली भी पकड़ी गई। इन तीनों वाहनों को सिंहपुर थाना में खड़ा कराया गया है। नागौद और सिविल लाइन क्षेत्र में भी कार्रवाई खनिज विभाग की टीम ने नागौद क्षेत्र में भी एक रेत से लदा वाहन एमपी 35 एचए 0735 जब्त किया। इसके अलावा मिट्टी से लदा एक अन्य वाहन सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पकड़ा गया और उसे भी जब्त कर थाने में खड़ा कराया गया है। जांच के दौरान पकड़े गए सभी वाहनों के पास खनिज परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। इसी कारण विभाग ने नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए वाहनों को जब्त कर लिया।कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत होगा प्रकरण खनिज विभाग के अनुसार जब्त किए गए सभी वाहनों के खिलाफ अवैध खनिज परिवहन का प्रकरण तैयार किया जा रहा है। इन मामलों को निराकरण के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। विभाग का कहना है कि अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

कसौधन वैश्य समाज का होली मिलन समारोह 15 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कसौधन वैश्य समाज जिला सतना द्वारा त्रैमासिक बैठक एवं होली मिलन समारोह का आयोजन 15 मार्च 2026 को मिलन मैरिज गार्डन, सज्जनपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें समाज के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु शामिल होंगे। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम के दौरान समाज की त्रैमासिक बैठक भी आयोजित की जाएगी। इस बैठक में आगामी कश्यप जयंती समारोह की तैयारियों एवं आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता की अध्यक्षता में निर्धारित एजेंडे के अनुसार क्षेत्रीय संगठनों के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की जाएगी। बैठक में समाज के विभिन्न मंडलों और क्षेत्रीय इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा सामाजिक गतिविधियों को सक्रिय बनाने पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इसके साथ ही हर तीन माह में क्षेत्रीय संगठनों के साथ जिले की संयुक्त बैठक आयोजित करने के प्रस्ताव पर भी निर्णय लिया जाएगा, ताकि समाज के कार्यों को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। कार्यक्रम के अंतर्गत होली मिलन का रंगारंग आयोजन भी होगा, जिसमें सामाजिक बंधु एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देंगे और आपसी भाईचारे एवं सौहार्द का संदेश देंगे। इस कार्यक्रम में समाज के सभी संरक्षक, मार्गदर्शक, जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य, जिला सहयोजित सदस्य, सभी मंडलों के पदाधिकारी, विशेष आमंत्रित सदस्य, महिला मंडल की सदस्याएं, जिला नवयुवक मंडल के संयोजक एवं सदस्य तथा समाज के सभी मातृशक्ति और सामाजिक बंधुओं को सादर आमंत्रित किया गया है। समाज के महामंत्री डॉ. संतोष गुप्ता ने जानकारी देते हुए सभी सामाजिक बंधुओं से अपील की है कि वे समय पर कार्यक्रम में उपस्थित होकर होली मिलन समारोह को सफल बनाएं और समाज की एकता व आपसी सद्भाव को मजबूत करें।

स्वामी जीयलदास उदासीन जी का 35वां वर्सी महोत्सव प्रारंभ, प्रभात फेरी से हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना **(निप्र)।** 108 सतगुरु स्वामी जीयलदास उदासीन जी का 35वां वर्सी महोत्सव कंवर नगर स्थित सिंधी कॉलोनी के संतधाम में महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सानिध्य में गुरुवार से श्रद्धा और उत्साह के साथ प्रारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता देखी जा रही है। वर्सी महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर गुरुवार सुबह 6 बजे संतधाम से विशाल प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में समाज की महिलाएं, युवा और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और जयघोष के साथ कंवर नगर सिंधी कॉलोनी क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान समाज के लोगों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर प्रभात फेरी का स्वागत किया तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। प्रभात फेरी का समापन पुनः संतधाम में हुआ। इसके बाद दोपहर 12 बजे महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सानिध्य में कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में कन्याओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया और श्रद्धालुओं ने सेवा भाव से आयोजन में सहयोग किया। आश्रम से ओमप्रकाश उदासीन ने बताया कि 13 मार्च को प्रातः 9 बजे सामूहिक हवन-यज्ञ का आयोजन किया जाएगा, वहीं दोपहर 12 बजे से गरीबों एवं दिव्यांगजनों के लिए भंडारे का आयोजन रखा गया है। इसी दिन शाम 7 बजे भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें इंदौर से पधारे महंत स्वामी मोहनदास उदासीन और संत चंदनदास उदासीन जी द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं 14 मार्च को दोपहर 12 बजे गुरु श्रीचंद्र सिद्धांत सागर जी के पाठ का भोग लगाया जाएगा। इसके पश्चात ब्राह्मणों एवं संत समाज के लिए प्रीतिभोज और आम श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

किसान के बाइक की डिक्की से 50 हजार चोरी रामनगर में खाद खरीदने रुका था; पासबुक भी ले गए चोर

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में किसान की बाइक की डिक्की से 50 हजार रुपए नकद और बैंक पासबुक चोरी हो गई। घटना बुधवार की है। किसान बैंक से पैसे निकालकर खाद खरीदने के लिए एक दुकान पर रुका था। देवरा मोलहाई निवासी मनोज कुमार कुशवाहा 11 मार्च को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रामनगर शाखा गए थे। उन्होंने अपने खाते से 50 हजार रुपए निकाले और उन्हें बैंक पासबुक के साथ अपनी बाइक (एमपी 19 एमएम 9967) की डिक्की में रख दिया। बाइक की डिक्की टूटी, 50 हजार रुपए और पासबुक चोरी बैंक से निकलने के बाद, मनोज कुमार रामनगर में मनोज गुप्ता की दुकान के पास खाद खरीदने के लिए रुके। उन्होंने अपनी बाइक दुकान के बाहर खड़ी की और दुकान के अंदर चले गए। कुछ ही देर बाद जब वे वापस लौटे, तो देखा कि बाइक की डिक्की का लॉक टूटा हुआ था और उसमें रखे 50 हजार रुपएऔर पासबुक गायब थे। पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की पुलिस को आशंका है कि चोर बैंक के बाहर से ही किसान का पीछा कर रहे थे। पीड़ित मनोज कुशवाहा ने रामनगर थाने में घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई है। रामनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुकान के आसपास और बैंक से लेकर घटना स्थल तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके।

युवक पर जानलेवा हमला करने वाला तीसरा आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के मुख्त्यारगंज में एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने तीसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घायल युवक का इलाज रीवा में चल रहा है। यह घटना 9 मार्च की शाम लगभग 7:30 बजे हुई थी। 25 वर्षीय अमित सिंह पुत्र उमा प्रताप सिंह अपने घर की तीसरी सनिल सिंह उर्फ सनी, ऋषभ द्विवेदी और अन्य के साथ घर में घुस गया। उन्होंने अमित पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

नाबालिग को नशीला जूस पिलाकर बनाया अश्लील वीडियो 4 आरोपियों पर मामला दर्ज

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। अमरपाटन पुलिस ने बुधवार को चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दरअसल, इन आरोपियों ने एक नाबालिग छात्रा को नशीला जूस पिलाकर उसका अश्लील वीडियो बनाया था, और उसे लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। आरोपियों ने नाबालिग से लाखों की ज्वैलरी भी ले ली थी। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर होटल का मालिक बताया था पुलिस ने बताया घटना लगभग डेढ़ महीने पहले की है। 12वीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा की मां के फोन में इंस्टाग्राम पर एक अज्ञात व्यक्ति लगातार दोस्ती के मैसेज भेज रहा था। शुरुआत में छात्रा ने उसे फटकार लगाई, लेकिन बाद में उसकी बातों में आकर दोस्ती कर ली। मैसेज भेजने वाले ने अपना नाम शिवाय सिंह रघुवंशी बताया और खुद को रीवा समेत कई जगहों पर होटल-रेस्टोरेंट का मालिक बताया था। पीड़िता जूस पीने के बाद बेसुध हो गई सोशल मीडिया और फोन पर काफी समय तक बातचीत के बाद, 23 फरवरी को छात्रा अमरपाटन में अपनी दो सहेलियों से मिलने उनके कमरे पर गई। आरोपी शिवाय भी वहां पर तीन बोतलों में जूस लेकर आया। तीनों लड़कियों ने जूस पिया, लेकिन नाबालिग छात्रा को जूस अच्छा नहीं लगा। उसने तुरंत घर जाने की बात कही, तो आरोपी उसे अपनी स्कॉर्पियो में बैठाकर ले गया। रास्ते में पीड़िता बेसुध हो गई और जब उसकी नींद खुली तो वह रीवा के एक होटल के कमरे में निर्वस्त्र हालत में थी। आरोपियों ने पीड़िता का आपत्तिजनक वीडियो बनाया पीड़िता ने जब इस पर नाराजगी जताई, तो आरोपी ने उसे डरा-धमका कर आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। उसने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर छात्रा पर घर से 25 लाख रुपए लाने का दबाव बनाया। डरी-सहमी छात्रा घर लौट आई, लेकिन उसने किसी को घटना के बारे में नहीं बताया।

पत्रकार महासंघ ने प्रभारी मंत्री को सौंपा ज्ञापन, पत्रकार राज सोलंकी के परिवार को 5 लाख सहायता की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने जिले के प्रभारी मंत्री एवं मध्यप्रदेश शासन के नगरीय निकाय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को ज्ञापन सौंपकर दिवंगत युवा पत्रकार राज सोलंकी के परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने की मांग की है। महासंघ के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव राजकुमार बजाज के नेतृत्व में पत्रकारों के प्रतिनिधिमंडल ने यह ज्ञापन सौंपते हुए सरकार से शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। ज्ञापन में बताया गया कि युवा पत्रकार राज सोलंकी का हाल ही में आकस्मिक निधन हो गया, जिससे उनका परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। परिवार में एक 4-5 वर्ष की छोटी बच्ची भी है, जिसके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए तत्काल आर्थिक सहायता आवश्यक है। पत्रकारों ने मांग की कि शासन स्तर पर कम से कम 5 लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि परिवार को कुछ राहत मिल सके। इसके साथ ही पत्रकार महासंघ ने प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पत्रकार सुरक्षा कानून (पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट) लागू करने की भी मांग उठाई। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित पत्रकारों या उनके परिवारों को भी सरकार की ओर से तत्काल 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसके अलावा अधिमान्यता पत्रकार बनाए जाने के नियमों को सरल बनाने की मांग भी रखी गई। प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पत्रकारों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए इस संबंध में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैय्या और विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा भी उपस्थित रहे। ज्ञापन सौंपने के दौरान आर.एन. शर्मा, राकेश श्रीवास्तव, ओपी तीसरे, संजय सोनी, देवेंद्र सत्यवानी, अनुराग पटनहा, राजेश धामी, विजय सिंह, सोनू पाल, एजाज अली, गणेश सोनी, नागेंद्र तिवारी, विक्रम चंदवानी, रविंद्र गर्ग, अवध गुप्ता, राकेश गर्ग सहित अनेक पत्रकार मौजूद रहे। पत्रकार राजकुमार बजाज ने बताया कि इस संबंध में पत्रकारों का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही सतना सांसद, विधायक और कलेक्टर से भी मुलाकात कर दिवंगत पत्रकार राज सोलंकी के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग करेगा।

नीलकंठ कॉलेज में 2 छात्र नकल करते पकड़े, बीएड परीक्षा में रीवा विश्वविद्यालय की टीम ने आंसर शीट्स सील किया

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के नीलकंठ महाविद्यालय स्थित परीक्षा केंद्र में बुधवार को बीएड की परीक्षा के दौरान रीवा विश्वविद्यालय की उड़नदस्ता टीम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सघन जांच में दो छात्रों को नकल करते हुए रंगेहाथ पकड़ा गया। टीम ने दोनों के खिलाफ नकल प्रकरण दर्ज किया है। विश्वविद्यालय रीवा की ओर से बीएड की परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए लगातार औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बुधवार को डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. वीरेश पांडेय, संतोष निगम और डॉ. पी.एल. वर्मा की चार सदस्यीय टीम नीलकंठ महाविद्यालय पहुंची थी। टीम के सदस्यों ने कक्षाओं की तलाशी ली टीम के सदस्यों ने कक्षाओं की तलाशी ली, जिसमें दो छात्र संदिग्ध पाए गए। बारीकी से जांच करने पर उनके पास से नकल की पर्चियां और अन्य नकल सामग्री बरामद हुई। रीवा विश्वविद्यालय के इस विशेष पैनल ने मौके पर ही रिपोर्ट तैयार की और दोनों छात्रों के खिलाफ नकल का मामला दर्ज किया। विस्तृत रिपोर्ट विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग को भेज दी गई है। नियमानुसार, इन छात्रों की उत्तर पुस्तिकाएं सील कर दी गई हैं और अब इनके परिणामों पर विश्वविद्यालय स्तर पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह, 200 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे बैंड की धुन पर दुल्हन के नृत्य ने समारोह में आकर्षण बढ़ाया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के सोहावल ब्लॉक के भाद गांव स्थित चंडी माता मंदिर परिसर में गुरुवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ। इस दौरान एक दुल्हन ने बैंड की धुन पर नृत्य कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। समारोह में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। नगरीय आवास एवं विकास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की।

इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी वर-वधुओं को शुभकामनाएं दीं। समारोह में उत्साहपूर्ण माहौल रहा, जहां विवाह के सभी पारंपरिक रीति-रिवाज कराए गए। वर-वधु पक्ष के परिजनों और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में इस आयोजन में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान एक दुल्हन ने मंच के सामने नृत्य प्रस्तुत किया। उसके नृत्य को देखकर उपस्थित लोगों ने तालियों से उसका उत्साहवर्धन किया।

यह क्षण कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण बन गया। यह सामूहिक विवाह कार्यक्रम सोहावल जनपद पंचायत द्वारा आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता प्रदान करना है। यह योजना जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहयोग के साथ-साथ सामाजिक समरसता का संदेश भी देती है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में जनपद पंचायत, स्थानीय प्रशासन और विभिन्न विभागों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महिला ने का शव फंदे पर लटका मिला, मायके पक्ष ने पति पर गला दबाकर हत्या का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना शहर के उतैली मोहल्ले में बुधवार शाम 26 साल की नवविवाहिता का शव फंदे से लटका मिला। मायके पक्ष ने आरोप लगाया है कि प्रांशु के पति मनोज मिश्रा ने गला दबाकर उसकी हत्या की है। मृतका का नाम प्रांशु मिश्रा है।सूचना मिलने पर कोलगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। प्रांशु की शादी 23 मई 2023 को मनोज मिश्रा से हुआ था और उनकी एक दो माह की बेटी भी है। बैंक से पैसे निकालने पर हुआ विवाद मृतका के पिता ने बताया कि घटना की सूचना मिलने से लगभग एक घंटे पहले उनकी बेटी से बात हुई थी। प्रांशु ने उन्हें बताया था कि पति मनोज बैंक से पैसे निकालने गया था और ओटीपी मांग रहा था। ओटीपी न देने पर पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। परिजनों ने आरोप लगाया है कि मनोज कोई काम नहीं करता था और नशे में अक्सर घर में झगड़ा करता था। मृतका की बड़ी बहन प्रतिमा ने बताया कि प्रांशु की सास की मौत के बाद वह एक साल तक उसी घर में ऊपर किराए के कमरे में रहती थी।

मनोज बेला में वाहन के कूलएंड की दुकान चलाता था। प्रतिमा ने बताया कि मनोज अक्सर नशे में रहता था और उन्होंने कई बार उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसकी आदतों में कोई सुधार नहीं हुआ। पुलिस परिजनों के बयान के आधार पर मामले की जांच कर रही है और आस-पड़ोस के लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।